शनिवार
08 अगस्त -2026
वर्ष 10, अंक 335
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

एशिया का इकलौता हिल स्टेशन जहां है गाड़ियों की 'नो-एंट्री'!

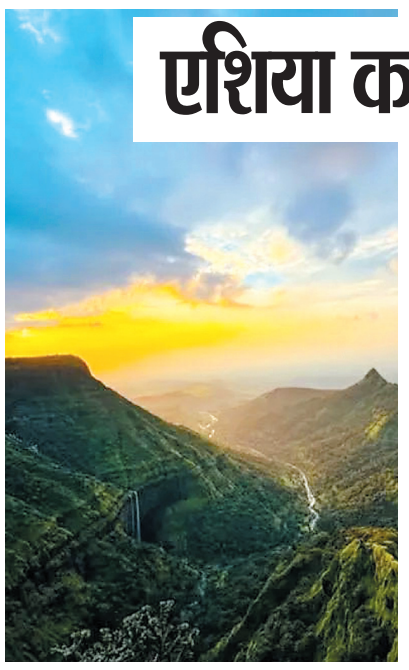

● अंग्रेजों ने खोजी थी महाराष्ट्र की ये खूबसूरत जगह, नाम है माथेरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सह्याद्रि रेंज पर स्थित माथेरान भारत के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है। इस हिल स्टेशन की सबसे खास बात है कि यह एशिया का एकलौता ऐसा हिल स्टेशन है, जहां किसी भी गाड़ी की एंट्री बैन है। जी हां, इस जगह पर गाड़ियों को लाने पर मनाही है। यही वजह है कि ये भारत के सबसे शांत और पॉल्यूशन फ्री इलाकों में से एक है। यहां घूमने के लिए या तो आपको पैदल चलना

पड़ेगा या आप घोड़े या हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा का इस्तेमाल कर सकते हैं। मानसून में घूमने के लिए यह जगह बेस्ट है, क्योंकि इस समय वेस्टर्न घाट की खूबसूरती की कोई मिसाल नहीं है। माथेरान पर्यटकों के लिए बेहद खास है।

● **ब्रिटिश काल की झलक, पोलिंत्ज मालेट ने की खोज-** 19वीं सदी के मध्यम में ह्यू पोलिंत्ज मालेट ने इस शहर की खोज की थी। गर्मी से बचने के लिए अंग्रेज गर्मी के मौसम में यहां रहने या वेकेशन के लिए आया करते थे। इसलिए आज भी आपको यहां ब्रिटिश काल की झलक दिखाई देगी। साथ ही, यहां की टॉय ट्रेन, जो यूनेक्सको हेरिटेज लिस्ट में शामिल है, पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। पैनोरमा पॉइंट- इसे सनराइज पॉइन्ट भी कहा जाता है। उगते सूरज की रोशनी इस जगह को और भी खूबसूरत बना देती है। सूर्योदय के समय इस पॉइन्ट से चारों और का नजारा देखना काफी अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। शारलोट झील- यह झील माथेरान की पानी का सोर्स है और यहां की सबसे शांत जगहों में से एक। घने जंगलों से घिरी ये झील पिकनिक, बर्ड व्यूईंग और शांत माहौल में घूमने के लिए सबसे बेस्ट है। मानसून में झील पानी से पूरी भर जाती है और देखने में खूबसूरत लगती है।

एससी-एसटी आरक्षण में लागू नहीं है क्रीमी लेयर

● केंद्र का हलफनामा, सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा अपना मत ● कहा-यह सिद्धांत सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी पर लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को

नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया कि अगर किसी एससी-एसटी परिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को लाभ नहीं मिले।

सिर्फ संसद को एससी-एसटी सूची में बदलाव का अधिकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है, सिर्फ आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं। केंद्र ने कहा कि एससी, एसटी और एसईबीसी के लिए चलाई जा रही अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं में पहले से आय सीमा लागू है, ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

डीएमके ने बीजेपी के उम्मीदों को दिया झटका

उदयनिधि बोले, परिसीमन बिल का समर्थन कभी नहीं करेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने केंद्र की एनडीए सरकार के उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन बिल का विरोध करेगी। तमिलनाडु में कांग्रेस के गठबंधन बदलने के बाद यह चर्चा थी कि अब डीएमके नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। उदयनिधि स्टालिन ने स्पष्ट किया है कि डीएमके ने शुरू से ही परिसीमन का विरोध किया है और आगे भी करती रहेगी। उदयनिधि स्टालिन ने परिसीमन बिल का समर्थन देने से साफ

इनकार किया है। डीएमके पहले भी संसद में 131वें संविधान संशोधन विधेयक का विरोध कर चुकी है। तब डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने विरोध के तौर पर परिसीमन बिल की कॉपी जलाई थी। डीएमके के लोकसभा में 22 और राज्यसभा में 8 सांसद हैं। लोकसभा में इस बिल को पास करने के लिए कम से कम 362 वोटों की जरूरत होगी, जबकि राज्यसभा में 164 सांसदों का समर्थन जरूरी है। लोकसभा में एनडीए के पास लगभग 318 सांसद हैं। डीएमके के समर्थन के बाद यह आंकड़ा 340 हो सकता है। राज्यसभा में एनडीए के 152 सांसद हैं।

डीएमके पर टिकी थी बड़ी संभावना

इंडिया गठबंधन से डीएमके के बाहर होने के बाद राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे थे कि संसद में एनडीए को समर्थन मिल सकता है।

एक्सीडेंट में युवक की मौत, पटना में बवाल

10 गाड़ियां फूंकीं, ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई

पटना (एजेंसी)। पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव

और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10 वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था। मनीष तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था। लोगों के हंगामे के कारण जीरो माइल चौक 3 घंटे करीब जाम रहा। जिसकी वजह से पटना-फतुहा मेन रोड, बख्तियारपुर जाने वाली सड़क और बिहटा जाने वाले रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। एक ट्रैफिक पुलिस चेक पोस्ट में आग लगाई गई है। दूसरे चेक पोस्ट में लूटपाट की गई है। पुलिसकर्मियों के बैग, वर्दी, रुपए, मोबाइल फोन के चार्जर, जूते तक लूट लिए गए हैं। पिता उमेंद्र महतो ने मुआवजे की मांग की है।

महीनों पहले हुई नीट पेपर लीक की साजिश

● सीबीआई का बड़ा दावा, एनटीए एक्सपर्ट्स पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे।

सीबीआई ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से

होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स शामिल हैं।

चार्जशीट में कोचिंग संचालक और डॉक्टर भी आरोपी

सीबीआई ने चार्जशीट में डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे के तेजस हर्षद कुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। जांच के मुताबिक, इन लोगों ने एनटीए के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लीक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सीबीआई के मुताबिक, पेपर लीक का मकसद अवैध कमाई और कुछ कोचिंग संस्थानों के रिजल्ट बेहतर दिखाना था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात किया।

आंदोलनरत छात्रों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा- आइए बात करते हैं... सरकार समाधान चाहती है

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची। राजधानी के जयपाल सिंह स्टेडियम में पिछले 14 दिनों से चल रहा छात्रों का आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा पीटी परीक्षा समेत टीडीपीएल कंपनी के माध्यम से आयोजित अन्य भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्र लगातार धरने पर बैठे हैं। इस बीच सीएम हेमंत सोरेन ने एक बार फिर आंदोलनरत छात्रों से बातचीत की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की बात सुनना चाहती है और समाधान निकालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार ने बातचीत के लिए जो समिति बनाई है, वह सिर्फ एक माध्यम है। सरकार की मंशा टकराव की नहीं, बल्कि छात्रों की समस्याओं को समझकर उसका स्थायी समाधान निकालने की है। उन्होंने

दोहराया कि उनकी सरकार झारखंड ही नहीं, बल्कि देशभर में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर व्यावहारिक और भरोसेमंद समाधान की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिर्फ रांची नहीं, पूरे झारखंड के छात्रों से मांगे जाएंगे सुझाव- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जयपाल सिंह स्टेडियम में बैठे छात्रों की बात जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही अहम राय राज्य के दूसरे जिलों में रहने वाले छात्र-छात्राओं की भी है। इसलिए सरकार पूरे झारखंड के युवाओं से सुझाव लेगी। उनका कहना है कि भर्ती परीक्षाओं और आयोगों की व्यवस्था में सुधार का फैसला सिर्फ एक जगह बैठे लोगों की राय से नहीं, बल्कि पूरे राज्य के छात्रों की भागीदारी से होना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जल्द ही झारखंड के साथ-साथ देशभर के छात्रों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं से भी सुझाव लिए जाएंगे। इन सुझावों के आधार पर समयबद्ध तरीके से जरूरी सुधार किए जाएंगे, ताकि भर्ती प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी, भरोसेमंद और विवादों से मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जयपाल सिंह स्टेडियम से उठ रही छात्रों की आवाज पूरे राज्य तक पहुंचे। हर जिले के छात्र खुलकर अपनी राय रखें, ताकि आने वाले समय में ऐसी व्यवस्था बनाई जा सके जिस पर सभी को भरोसा हो। वार्ता पर टिकी हैं सबकी निगाहें, छात्रों की मांगों पर अभी भी कायम है आंदोलन एक तरफ छात्र लगातार धरने पर डटे हुए हैं तो दूसरी तरफ सरकार बातचीत के जरिए रास्ता निकालने की कोशिश कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि शुक्रवार शाम आंदोलनकारी छात्रों के प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच वार्ता हो सकती है। हालांकि बातचीत शुरू होने से पहले ही प्रतिनिधिमंडल में पूर्व महाधिवक्ता के शामिल होने को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सत्तापक्ष ने इस पर आपत्ति जताई है और विपक्ष पर आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया है। उधर आंदोलनकारी छात्र अपनी मांगों पर अब भी अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि जेपीएससी और जेएसएससी की ओर से टीडीपीएल कंपनी के माध्यम से हाल में आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द किया जाए। पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोनों आयोगों में व्यापक सुधार करते हुए भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन दोनों सदन सोमवार तक स्थगित

● लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल हुआ पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा के अपने सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए कहा है।

मोदी ने टीएमसी-उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात की- संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सासंद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

ट्रम्प की सख्ती से भारतीय छात्रों का अमेरिका जाना कम

● 65 साल में पहली बार अप्रवासियों की संख्या हुई है कम ● पाकिस्तान-बांग्लादेश के छात्रों को ज्यादा वीजा दे रहा यूएसए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए अब राह पहले जैसी आसान नहीं रही। ट्रम्प सरकार की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बीच 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले एफ-1 स्टूडेंट वीजा में बड़ी गिरावट आई है। इसके उलट पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के छात्रों को पहले के मुकाबले ज्यादा वीजा मिले हैं। सख्ती का असर सिर्फ स्टूडेंट वीजा तक सीमित नहीं है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में अप्रवासियों की संख्या रिकॉर्ड 5.33 करोड़ थी, जो जून तक घटकर 5.19 करोड़ रह गई। 1960 के दशक के बाद पहली बार वहां अप्रवासियों की आबादी में गिरावट दर्ज की गई है।

भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका पहुंचना मुश्किल हुआ- सेंटर फॉर इमिग्रेशन स्टडीज के मुताबिक, मई से अगस्त के बीच एडमीशन का पीक सीजन होता है। इसी दौरान 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले एफ-1 स्टूडेंट वीजा पिछले साल के

4 फैसलों से अमेरिका जाने में गिरावट आई

स्टूडेंट वीजा इंटरव्यू दोबारा शुरू होने के बाद आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पब्लिक करने पड़े। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की जांच की। वीजा आवेदकों के दस्तावेज, यात्रा इतिहास और दूसरी जानकारियों की पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई से जांच की जाने लगी। इससे वीजा प्रक्रिया लंबी हुई और कई मामलों में मंजूरी मिलने में देरी हुई। अमेरिका में शरण मांगने वालों के लिए भी नियम सख्त किए गए। अब पहले के मुकाबले शरण मिलना आसान नहीं है। अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सीआईए जैसी एजेंसी को ज्यादा अधिकार मिले। इसके बाद कई राज्यों में छापेमारी और गिरफ्तारी की कार्रवाई बढ़ी।

मुकाबले 62 फीसदी घट गए। चीनी छात्रों पर भी असर पड़ा और उन्हें 34 फीसदी कम वीजा मिले। हालांकि, तस्वीर सभी देशों के लिए एक जैसी नहीं रही। 2025 की पहली छमाही में वियतनाम के छात्रों को 5,324 एफ-1 वीजा मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 19.6 फीसदी ज्यादा हैं। बांग्लादेश के छात्रों को 2,098 वीजा मिले, यानी 20.1 की बढ़ोतरी हुई। वहीं पाकिस्तान के छात्रों को 1,928 एफ-1 वीजा मिले, जो पिछले साल की तुलना में 44.3 अधिक हैं।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज में एएसआई पर चाकू से हमला, आरोपी युवक गिरफ्तार

साहिबगंज, एजेंसी। जिला के कोटालपोखर थाना क्षेत्र में मंगलवार को ड्यूटी के दौरान एक एएसआई पर चाकू से हमला कर दिया गया. इस घटना में कोटालपोखर थाना में पदस्थापित एएसआई हेमंत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. उन्हें तत्काल इलाज के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है.

जानकारी के अनुसार, कोटालपोखर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि पलासबोना गांव में एक युवक नशे की हालत में हाथ में चाकू लेकर घूम रहा है और लोगों के बीच दहशत फैला रहा है. सूचना मिलने के बाद एएसआई हेमंत यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे.

पुलिस जब आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, तभी उसने अचानक एएसआई हेमंत यादव पर चाकू से हमला कर दिया. चाकू लगने से एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें घटनास्थल से निकालकर इलाज के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल पहुचाया गया. इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

बरहरवा के एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने इस घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि एएसआई पर चाकू से हमला करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

अंधविश्वास का खौफनाक अंजाम, चाचा ने भतीजे को टांगी से काट डाला

पलामू, एजेंसी। जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के लकड़ही टोला में एक चाचा ने अंधविश्वास में आकर अपने भतीजे को टांगी से काट डाला. इस घटना में भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

दरअसल, उंटारी रोड थाना क्षेत्र के लकड़ही टोला के रहने वाले प्रभु रजवार नामक व्यक्ति की बेटी लंबे समय से बीमार चल रही थी. कुछ दिनों पहले ही बेटी की मौत हो गई थी. प्रभु राजवार मौत का कारण अपने भतीजे की पत्नी और अपने छोटे भाई की पत्नी को मान रहा था. प्रभु रजवार लगातार अंधविश्वास का सहारा ले रहा था और साथ में झाड़-फूंक भी करवा रहा था.

इस बीच बुधवार की देर रात प्रभु रजवार की अपने भतीजा के साथ बहस हो गई. इस दौरान प्रभु रजवार ने घर में रखे टांगी से अपने भतीजे चनका रजवार को काट डाला. जिससे चनका रजवार की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद उंटारी रोड के थाना प्रभारी संतोष गिरी के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची. पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा रात प्रभु रजवार को गिरफ्तार कर लिया है. थाना प्रभारी संतोष कुमार गिरि ने बताया कि अंधविश्वास में घटना को अंजाम दिया गया है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता: सीआईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच और लोग गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। जेपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितता मामले में झारखंड सीआईडी की कार्रवाई और तेज हो गई है. बुधवार को इस मामले में सीआईडी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही जेपीएससी मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19 पहुंच गई. झारखंड लोक सेवा आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई सीआईडी थाना कांड संख्या-16/2026 (22 जुलाई 2026) में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर रांची और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में संयुक्त छापेमारी कर की गई. सीआईडी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में लोहरदगा निवासी उमाकांत उरांव, रांची के रोशन केरकेट्टा, मनोज कुमार, धर्मेंद्र कुमार तथा उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी रक्षक सिंह शामिल हैं. सीआईडी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि जांच में पता चला है कि उमाकांत उरांव पर 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में धोखाधड़ी और अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर सफल होने के साथ-साथ अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराने के लिए एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है. वहीं, रोशन केरकेट्टा और मनोज कुमार पर भी 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में धोखाधड़ी और अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर परीक्षा पास करने का आरोप है. सीआईडी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रक्षक सिंह जेपीएससी परीक्षा संचालित करने वाली कंपनी टीडीपीएल में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है. उस पर भी 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित धांधली और अनुचित साधनों के उपयोग से जुड़े होने का आरोप है.

झारखंड विधानसभा में भारी हंगामे के बीच 8399 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, कार्यवाही स्थगित

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची ।झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी विधायकों के शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। अनुपूरक बजट का कुल आकार 8,399 करोड़ 31 लाख 11 हजार रुपये है।

सदन में जब बजट पेश किया जा रहा था, उस वक्त विपक्ष के सदस्य जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली का मुद्दा उठाकर नारेबाजी कर रहे थे। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया कि अनुपूरक बजट को पास कराने से पहले सदन में इस पर विस्तार से चर्चा कराई जाएगी। हंगामे के बीच ही विधानसभा की अलग-अलग समितियों की रिपोर्ट भी सदन में पेश की गई।

JPSC-JSSC कथित धांधली पर CBI जांच की मांग, सड़कों पर उतरे अभ्यर्थी शुक्रवार को जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में गड़बड़ी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा इस भारी बारिश के बीच सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर हैं। राज्य में जेपीएससी की जितनी भी परीक्षाएं आयोजित हुई हैं, सब पर धांधली के गंभीर आरोप लगे हैं। जेएसएससी की परीक्षाओं में भी बड़े पैमाने पर शिकायतों की भरमार है।

बाबूलाल मरांडी ने सरकार से मांग की कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद होना चाहिए और इन सभी विवादित परीक्षाओं की जांच तुरंत सीबीआई (CBI) से कराई जानी चाहिए।

सरकार बोली- सत्र में काफी वक्त बाकी, बाद में भी हो सकती है चर्चा- विपक्ष के आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट पेश होने के बाद भी सत्र का पर्याप्त समय बचा हुआ है, इसलिए इस मुद्दे पर बाद में भी विस्तार से चर्चा कराई जा सकती है। वहीं कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष भी छात्रों और युवाओं की वाजिब मांगों के साथ खड़ा है।

वेल में पहुंचे भाजपा विधायक, स्पीकर की अपील भी बेअसर रही- चर्चा के दौरान ही विपक्षी विधायक अपनी सीटों से उठकर वेल में आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने विधायकों से शांत रहकर अपनी-अपनी सीटों पर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने अपने ही नेता प्रतिपक्ष की बात भी पूरी तरह नहीं सुनी है। अध्यक्ष ने भाजपा विधायकों से आग्रह किया कि यह खेती-किसानी का मौसम है और इससे जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा होना बेहद आवश्यक है, इसलिए प्रश्नकाल को चलने दिया जाए। हालांकि, जब हंगामा नहीं थमा तो अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दोबारा कार्यवाही शुरू होते ही फिर हुआ हंगामा, सोमवार तक बैठक टली-दोपहर 12:35 बजे जब सदन दोबारा शुरू हुआ, तो कांग्रेस नेता प्रदीप यादव ने विपक्ष के इस विरोध को गैरजरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार छात्रों के हित में फैसले ले रही है, लेकिन विपक्ष छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर सदन का काम ठप्प करना चाहता है। इसी दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने शून्यकाल की सभी सूचनाओं को पढ़ा हुआ मानकर संबंधित विभागों को भेजने का निर्देश दिया। निर्देश मिलते ही विपक्षी विधायक एक बार फिर वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। सदन में लगातार हो रहे हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने आखिरकार कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

जेपीएससी-जेएसएससी अनियमितता के खिलाफ जेएलकेएम ने समाहरणालय पर दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

पाकुड़, एजेंसी। झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में बरती गई अनियमितता एवं पेपर लीक के खिलाफ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समाहणालय के सामने एक दिवसीय धरना दिया. धरना का नेतृत्व जेएलकेएम के मार्क बास्की ने की. धरना पर बैठे कार्यकर्ता, जेएसएससी एवं जेपीएससी प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार लाने, पेपर लीक मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने की मांग कर रहे थे. धरना के बाद मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया. धरना का नेतृत्व कर रहे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष मार्क बास्की ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में अनियमितता और प्रश्न पत्र लीक होने के कारण हजारों युवाओं का भविष्य न केवल खराब हुआ, बल्कि झारखंड के युवा अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं. मार्क बास्की ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष परीक्षा कराना जेपीएससी एवं जेएसएससी का दायित्व है और इस दायित्व को निभाने में यह संस्था नाकाम साबित हुई है. उन्होंने कहा कि आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की भूमिका और उनकी कार्य प्रणाली की जांच जरूरी है ताकि भविष्य में भर्ती परीक्षाओं के परिणाम पारदर्शी और निष्पक्ष हो एवं युवाओं को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिल सके. धरना के जरिये मोर्चा ने निजी एजेंसियों के बजाय आयोग की निगरानी और नियंत्रण में प्रतियोगी परीक्षाए आयोजित करने, जेएसएससी, जेपीएससी परीक्षा में धांधली मामले की सीबीआई से जांच कराने, आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर करने, 11 वीं 13 वीं संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा का ऑनलाइन मूल्यांकन करने, 14 वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को निरस्त कर दोबारा परीक्षा आयोजित करने आदि मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया.

केन्दुआडीह में धनबाद-बोकारो क्षतिग्रस्त सड़क की खुदाई शुरू

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता रांची /

धनबाद।केन्दुआडीह में भू-धंसान एवं गैस रिसाव से क्षतिग्रस्त हुई धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क की खुदाई आज से भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से शुरू कर दिया है।

इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि पिछले 6-7 महीनों से बंद पड़ी धनबाद-बोकारो सड़क को जनहित में दोबारा शुरू करने पर विगत

/धनबाद जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, धनबाद, वरीय पुलिस अधीक्षक, जिले के जनप्रतिनिधि, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड तथा विभिन्न तकनीकी संस्थानों के साथ बैठक कर गहन विचार-विमर्श किया गया था। बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों ने एकमत होकर प्रभावित क्षेत्र में वैज्ञानिक तरीके से खुदाई कर वास्तविक स्थिति का पता लगाने का सुझाव दिया था। इसके बाद भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने खुदाई कार्य के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क खुदाई कार्य शुरू किया है।

वहीं खुदाई स्थल पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की तकनिकी टीम के साथ सुरक्षा बल, तकनिकी संस्थानों की टीम सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरे कार्यक्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लिया गया है। खुदाई के बाद, टेक्निकल रिपोर्ट आ जाने के बाद निर्णय लिया जाएगा कि बंद सड़क को चालू करना सुरक्षित है या जोखिम भरा है।उपायुक्त ने आमजनों से अपील की है कि वे खुदाई क्षेत्र से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर रहें।

रांची।झारखण्ड के सभी मतदान केंद्रों पर शनिवार एवं रविवार (8 एवं 9 अगस्त 2026) को मतदाताओं के सहयोग हेतु विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 1 अक्टूबर 2026 के अर्हता तिथि तक 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी पात्र भारतीय नागरिक फॉर्म 6 एवं घोषणा पत्र भरकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं- पदाधिकारी के. रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी।

77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ

साहिबगंज वन प्रमंडल के दो वनकर्मी हुए सम्मानित

दैनिक अलग पहचान डेस्क संवाददाता, रांची /

साहिबगंज रांची के ताना भगत इंडोर स्टेडियम, में आयोजित 77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रही है। ऐसे समय में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से महुआ, कटहल, जामुन, करंज सहित स्थानीय एवं फलदार पौधों का रोपण कर उन्हें संरक्षित करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान वन संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले राज्य के वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में साहिबगंज वन प्रमंडल के राजीव रंजन प्रसाद को लघु वन उत्पाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा श्री लक्ष्मण मुर्मू को जीवाश्म (फॉसील) संरक्षण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।समारोह में राज्यभर से वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वन महोत्सव के माध्यम से राज्य में हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता के संरक्षण तथा जनभागीदारी को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

आमरण अनशन पर बैठे छात्रों की बिगड़ी तबीयत, एक अनशनकारी सदर अस्पताल रेफर

रांची, एजेंसी। राजधानी के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेएसएससी और जेपीएससी रिफॉर्म मंच की ओर से चल रहा छात्र आंदोलन लगातार जारी है. आंदोलन के बीच पिछले पांच दिनों से आमरण अनशन पर बैठे छात्रों की तबीयत अब बिगड़ने लगी है. अनशनकारी राहुल क्रांति की हालत शुक्रवार को काफी खराब हो गई. उनका ब्लड शुगर लेवल काफी गिर गया है और उन्हें तेज बुखार भी है. चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है.

राहुल क्रांति की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल मेडिकल निगरानी में रखने की सलाह दी है. जरूरत पड़ने पर उन्हें ड्रिप चढ़ाने की बात भी सामने आ रही है. चिकित्सकों की टीम लगातार अनशनकारियों की स्वास्थ्य जांच कर रही है और उन्हें गर्म पानी समेत जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी जा रही है. वहीं, राहुल क्रांति के अलावा आमरण अनशन पर बैठे अन्य सात अनशनकारियों की तबीयत भी लगातार खराब हो रही है. कई छात्रों में कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां सामने आ रही हैं. चिकित्सकों की ओर से सभी अनशनकारियों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है.

आंदोलन में शामिल छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत भी ठीक नहीं बताई जा रही है. लंबे समय से जारी आंदोलन और अनशन के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता दिखाई दे रहा है. इसके बावजूद अनशनकारी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं. अनशनकारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं. उनका स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा. अनशनकारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों के लिए हर परिस्थिति का सामना करने को तैयार हैं.

इधर, आंदोलन स्थल पर मौजूद छात्र भी अनशनकारियों के समर्थन में लगातार डटे हुए हैं. छात्रों का कहना है कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बावजूद सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और जल्द वार्ता कर समाधान का रास्ता निकालना चाहिए. फिलहाल सबसे बड़ी चिंता आमरण अनशन पर बैठे छात्रों की बिगड़ती सेहत को लेकर है. चिकित्सकीय निगरानी के बीच आंदोलन स्थल की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है.

गढ़वा के जंगलों में बाघ की दस्तक, एक मवेशी को बनाया निवाला!

गढ़वा, एजेंसी। जिला में भंडरिया थाना क्षेत्र के तेवाली गांव में बाघ ने दस्तक दी है. इस गांव के जंगल में चर रही एक पालतू भैंस पर बाघ ने हमला कर दिया और उसे अपना निवाला बना लिया. इस घटना से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है. घटना जोन्हीखाड़-तेवाली जंगल स्थित नदी किनारे कोरेणडूबा के पास की बतायी जा रही है.पीड़ित अर्जुन सिंह ने बताया कि रविवार की शाम करीब चार-पांच बजे चरने के दौरान उनकी भैंस जंगल की ओर चली गई थी और वापस नहीं लौटी. इसके बाद सोमवार से परिवार के सभी सदस्य लगातार जंगलों में उसकी तलाश कर रहे थे. काफी खोजबीन के बाद भैंस का शव जंगल में मिला.शव की स्थिति देखकर प्रतीत हुआ कि बाघ ने उसे अपना शिकार बनाया है. वहीं मौके पर बाघ के पैर के निशान बने हुए हैं. इस घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. फॉरेस्टर कमलेश कुमार तुषार कुमार और उपेंद्र कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई.इस घटना को लेकर साउथ डिवीजन डीएफओ एबीन बेनी अब्राहम ने बताया कि भैंस को बाघ ने मारकर उसे खाया है. वन विभाग की टीम इसकी जांच रही है. बाघ के पैरों के निशान मिले हैं. बाघ ने बहुत अंदर जंगल में जाकर शिकार किया है. पशु मालिक को मुआवजा दिया जाएगा.

पलामू एनकाउंटर: अपराधी सुमित चंद्रवंशी पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज, घटनास्थल को किया गया सील

पलामू, एजेंसी। जिले के सदर थाना क्षेत्र के बजराहा के इलाके में गुरुवार को पुलिस एवं अपराधी सुमित चंद्रवंशी के बीच मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में अपराधी सुमित चंद्रवंशी के पैर में गोली लगी थी और उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था. एनकाउंटर के मामले में मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह के आवेदन के आधार पर सदर थाना में सुमित चंद्रवंशी के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है.

एफआईआर नंबर 89/2026 में सुमित चंद्रवंशी के खिलाफ 11 अलग-अलग धाराएं लगाई गई हैं. दर्ज मुकदमे का अनुसंधान सदर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अफजल अंसारी कर रहे हैं. सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है और घटनास्थल को

सील कर दिया गया है.

पलामू के टाउन थाना क्षेत्र के अग्रसेन भवन के समक्ष 29 जुलाई को फायरिंग की घटना हुई थी. इस फायरिंग के मामले में पुलिस अनुसंधान कर रही थी. अनुसंधान के क्रम में गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी सुमित चंद्रवंशी टाउन थाना क्षेत्र के निमिया के इलाके में छिपा हुआ है. इसी सूचना के आलोक में पुलिस की टीम निमिया के इलाके में पहुंची थी और सुमित को गिरफ्तार किया था. सदर थाना एफआईआर नंबर 89/2026 के अनुसार सुमित ने पुलिस को बताया था कि घटना में इस्तेमाल हथियार को बिस्फुटा से आगे रेलवे लाइन के किनारे छुपाया गया है. पुलिस सुमित को लेकर मौके पर पहुंची थी और हथियार को बरामद किया था. इसी क्रम में सुमित ने पुलिस सब इंस्पेक्टर का हथियार छीन लिया था और फायरिंग की थी. पुलिस लगातार सुमित को सरेंडर करने के लिए कह रही थी. मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने भी जवाबी फायरिंग की थी. बाद में पुलिस ने मौके पर सर्च अभियान चलाया था और जख्मी हालत में सुमित को बरामद किया था. सुमित के पैर से खून निकल रहा था. मौके पर मौजूद पुलिस जवानों ने अपने गमछा से सुमित के पैर में बांधा था और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा था. 29 जुलाई को मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के अग्रसेन भवन के पास फायरिंग की घटना हुई थी. इस फायरिंग की घटना में दिनेश कुमार और रामगढ़ के पतरातू के रहने वाले निखिल कुमार को गोली लगी थी. पूरे मामले में सूरज चंद्रवंशी नामक युवक के आवेदन के आधार पर लकी पासवान, सुमित चंद्रवंशी, आनंद रवि, अनुराग चंद्रवंशी, जरार खां जबकि साजिश करने के आरोप में शरियार अली, इमरान कुरैशी, हैदर, हिकमत यार अली के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी.

संक्षिप्त समाचार

रांची के खलारी से लापता तीन मासूम बच्चे पलामू में बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। रांची जिले के खलारी थाना क्षेत्र से एक साथ लापता हुए तीन मासूम बच्चों को पलामू की हैदरनगर पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया. इस मामले में एक युवक भी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है.

हैदरनगर थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान ने बताया कि 'खलारी थाना क्षेत्र से तीन बच्चे एक साथ रविवार शाम को खेलते-खेलते अचानक लापता हो गए थे, यह बच्चे सुभाष नगर टीएच कॉलोनी स्थित भुईयां टोली के रहने वाले हैं. इसके बाद उन्हें खोजने का अभियान चलाया गया और बुधवार को हैदरनगर पुलिस ने तीनों को सुरक्षित बरामद कर लिया.'

खलारी थाना पुलिस से मिली सूचना के आधार पर हैदरनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को हैदरनगर रेलवे स्टेशन से तीनों बच्चों को बरामद कर लिया. पुलिस ने इस मामले में बरेवा गांव निवासी रंजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया है.

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक मंगलवार रात रांची-बनारस इंटरसिटी एक्सप्रेस से तीनों बच्चों को लेकर यात्रा कर रहा था. सूचना मिलते ही हैदरनगर पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई कर बच्चों को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया. घटना की सूचना खलारी थाना पुलिस को दे दी गई. इसके बाद बुधवार शाम खलारी थाना की पुलिस हैदरनगर पहुंची और आरोपी युवक तथा तीनों बच्चों को अपने साथ खलारी लेकर रवाना हो गई.

बच्चों की बरामदगी के बाद पलामू के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी व हुसैनाबाद के एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला हैदरनगर थाना पहुंचे. उन्होंने पूरे मामले की जानकारी प्राप्त की. मामले में आगे की जांच जारी है.

जेपीएससी स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट: एसडीएम और एडीएम पहुंचे धरना स्थल, जानिए वार्ता पर क्या हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे अभ्यर्थियों के आंदोलन के बीच गुरुवार देर रात वार्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी.

एक ओर आंदोलनकारी सरकार की पहल का इंतजार करते रहे, वहीं दूसरी ओर डेलिगेशन की सूची को लेकर प्रशासन और आंदोलनकारियों के बयानों में अंतर देखने को मिला.

इस बीच आंदोलनकारियों ने बताया कि गुरुवार को एसडीएम और एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) धरना स्थल पर पहुंचे. दोनों अधिकारियों ने आंदोलन स्थल का निरीक्षण किया और छात्रों से बातचीत कर वहां हो रही समस्याओं की जानकारी ली.

अभ्यर्थियों ने उन्हें पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ी दिक्कतों से अवगत कराया. हालांकि छात्रों के अनुसार, अधिकारियों की यह मुलाकात केवल व्यवस्थाओं और सुविधाओं तक सीमित रही. सरकार और आंदोलनकारियों के बीच वार्ता शुरू कराने या मांगों पर किसी प्रकार की औपचारिक चर्चा नहीं हुई.

आंदोलन स्थल पर पहुंचे एसडीएम ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आंदोलनकारियों की ओर से उन्हें यह जानकारी दी गई है कि डेलिगेशन अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है. इसलिए वार्ता की प्रक्रिया को लेकर फिलहाल कोई ठोस स्थिति नहीं बन पाई है.

हालांकि, जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के प्रवक्ता पीयूष कुमार सिंह ने एसडीएम के इस बयान का खंडन किया. उन्होंने कहा कि प्रशासन को स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि आंदोलन से जुड़ी सभी आधिकारिक सूचनाएं केवल दो अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से ही दी जाएंगी. प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर पर डेलिगेशन की जानकारी भी भेज दी गई है. ऐसे में यह कहना कि डेलिगेशन तय नहीं हुआ है, सही नहीं है.

मंच के प्रवक्ता ने कहा कि आंदोलनकारी लगातार वार्ता के पक्षधर हैं और सरकार से सकारात्मक पहल की उम्मीद कर रहे हैं. उनका कहना है कि प्रतिनिधिमंडल पूरी तरह तैयार है और सरकार जब भी बातचीत के लिए बुलाएगी, अधिकृत सदस्य वार्ता में शामिल होंगे.

ऐसे में देर रात तक आंदोलनकारी वार्ता के निमंत्रण का इंतजार करते रहे. फिलहाल आंदोलन पूर्व की तरह जारी है और अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा.

चतरा में छात्र ने बनाया रिमोट से संचालित हाइवा का मॉडल, हादसों को रोकने में होगा कारगर

चतरा, एजेंसी। सड़क पर आए दिन हाइवा और भारी वाहनों की चपेट में आकर बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है. सड़क हादसों की बढ़ती घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है. इन्हीं दर्दनाक हादसों को देखते हुए चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड मुख्यालय के बैंक चौक निवासी, +2 जनता उच्च विद्यालय पत्थलगड़ा के दसवीं कक्षा के छात्र रोशन प्रसाद कुशवाहा ने अनोखी तकनीक तैयार की है. छात्र ने एक ऐसा रिमोट से संचालित हाइवा (डंप ट्रक) मॉडल तैयार किया है, जिसका उद्देश्य भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और लोगों की जान बचाना है.

रोशन प्रसाद का यह मॉडल केवल एक प्रदर्शनी का खिलौना नहीं, बल्कि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस एक प्रयोगात्मक वाहन है. इसमें दुर्घटना की आशंका होने पर चालक को पहले से चेतावनी देने, वाहन के आसपास मौजूद लोगों के होने और भविष्य में स्वतः ब्रेक लगाने जैसी तकनीकों की अवधारणा शामिल की गई है. मॉडल को देखकर क्षेत्र के सामाजिक लोगों ने भी छात्र की प्रतिभा की सराहना की.

रोशन ने बताया कि चतरा में लगातार हो रहे सड़क हादसों और हाइवा की चपेट में लोगों की मौत की खबरों ने उसे झकझोर दिया. इसी कारण उसने ऐसा मॉडल तैयार करने का निर्णय लिया, जो भविष्य में वास्तविक वाहनों में लागू होकर

दुर्घटनाओं को कम करने में मददगार साबित हो सके. मॉडल में आगे और पीछे की लाइट, ब्रेक लाइट, साइड लाइट तथा इंडिकेटर जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं दी गई हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके सामने ध्वनि आधारित दूरी मापने वाला सेंसर लगाया गया है. यदि वाहन के सामने अचानक कोई दीवार, दूसरा वाहन या कोई बड़ी बाधा आ जाए तो सेंसर तुरंत खतरे को पहचानकर बजर के माध्यम से चालक को चेतावनी देता है.

छात्र का कहना है कि वह आगे इसमें ऐसी व्यवस्था जोड़ना चाहता है, जिससे चालक प्रतिक्रिया न दे तो वाहन स्वतः आपातकालीन ब्रेक लगा सके. उन्होंने भारी वाहनों के ब्लाइंड स्पॉट यानी ऐसे हिस्सों पर भी काम किया है, जहां चालक को आसपास मौजूद व्यक्ति या दोपहिया वाहन दिखाई नहीं देते. इसके लिए मॉडल के चक्कों के पास अवरक्त (इन्फ्रारेड) सेंसर लगाए गए हैं. यदि चक्कों के आसपास कोई व्यक्ति या वाहन आता है तो सेंसर चालक को तुरंत सतर्क करने का संकेत देता है.

छात्र रोशन का मानना है कि भविष्य में इस तकनीक को वास्तविक हाइवा और ट्रकों में अपनाया जाए तो कई जानलेवा दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है. मॉडल में सामने से आने वाले वाहनों के साथ सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अवधारणा भी शामिल की गई है. साथ ही सभी लाइटों को अलग-अलग नियंत्रित करने की व्यवस्था दी गई है, जिससे वाहन की गतिविधियों का स्पष्ट संकेत अन्य वाहन चालकों को मिल सके.

रोशन की कहानी संघर्ष और मेहनत की मिसाल भी है. उसके पिता स्वर्गीय दिनेश्वर महतो का 6 वर्ष पहले ही निधन हो चुका है. परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसकी मां सविता देवी मजदूरी कर बेटे की पढ़ाई और उसके वैज्ञानिक प्रयोगों का खर्च उठाती हैं. रोशन ने बताया कि मां की मेहनत से बचाए गए पैसों से वह इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदता है, जबकि महंगे उपकरणों के अभाव में अधिकतर प्रयोग कबाड़ और बेकार पड़ी वस्तुओं से करता है. इससे पहले भी वह टीन की चादर से स्मार्ट कूलर, पीवीसी पाइप से मिनी ट्रैक्टर और स्वचालित घंटी जैसे कई उपयोगी मॉडल बना चुका है.

करीब 20 हजार रुपये की लागत से तैयार इस हाइवा मॉडल का नाम उसने 'क्रैश इंपैक्ट डिफेंडर' मॉडल रखा है. इसमें लगभग 13 से 14 हजार रुपये मॉडल के ढांचे पर तथा 6 से 7 हजार रुपये सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर खर्च हुए हैं. रोशन का सपना यहीं नहीं रुकता. वह भविष्य में इस मॉडल में ऐसा कैमरा जोड़ना चाहता है, जो चालक की आंखों और चेहरे की गतिविधियों पर नजर रखकर नींद आने की स्थिति में चेतावनी दे सके. साथ ही दुर्घटना होने पर वाहन की लोकेशन और सूचना परिवार तथा नजदीकी अस्पताल तक स्वतः पहुंचाने वाली तकनीक विकसित करने की भी उसकी योजना है.

जनता उच्च विद्यालय पत्थलगड़ा के प्रधानाध्यापक उदय प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि रोशन शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है और हमेशा नए प्रयोग करने में रुचि रखता है. यदि उसे सरकार और तकनीकी संस्थानों का सहयोग मिले तो वह भविष्य में बेहतर तकनीक विकसित कर सकता है. विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विनय कुमार ने भी उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि संसाधनों की कमी के बावजूद रोशन ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत इरादों के सामने आर्थिक कठिनाइयां छोटी पड़ जाती है.

रोशन की यह उपलब्धि केवल उसके परिवार और विद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे चतरा जिले के लिए गर्व की बात है. अगर ऐसे ग्रामीण प्रतिभाओं को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन और आर्थिक सहायता मिले तो वे सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश के लिए नई तकनीक विकसित कर सकते हैं और भविष्य में अनगिनत लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.

सियासी बयानों में उलझा जेपीएससी छात्रों का आंदोलन! विपक्ष के आक्रामक रुख के बाद बचाव में उतरी सरकार

रांची, एजेंसी। जेपीएससी मुद्दे पर मानसून सत्र के दूसरे दिन भी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक होती रही. सदन के अंदर-बाहर सरकार को घेरने में विपक्ष जुटा रहा. नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अनशनकारी छात्रों के साथ सरकार द्वारा बातचीत नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए सीआईडी जांच के जरिए 'लीपापोती' का आरोप लगाया.

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे सीआईडी हो या एसीबी दोनों एजेंसी झारखंड में सरकार को बचाने की कोशिश में लगी रहती है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस संबंध में मैंने पहले भी कहा है और आज भी कह रहा हूं कि जेपीएससी-जेएसएससी मामले में सरकार छात्रों के साथ 'नाइंसाफी' कर रही है.

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की देखरेख में इसकी सीबीआई जांच हो और सभी परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए, लेकिन सरकार सीआईडी जांच की 'लीपापोती' करने में जुटी है.

वहीं विपक्ष के आरोप पर पलटवार करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर्दे के पीछे से खेल ना करें. उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में पास हुए अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों का इस्तीफा बाबूलाल मरांडी को दिलवाना चाहिए.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों से वार्ता करने के लिए तैयार हैं लेकिन जिस तरह से पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार का नाम बाबूलाल मरांडी ने उसमें शामिल करवाया है, वह ठीक नहीं है, अच्छा होता कि पूर्व महाधिवक्ता के नाम को हटाकर खुद बाबूलाल मरांडी अपना नाम दिलाते.

मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि छात्रों की मांग पर मुख्यमंत्री भी गंभीर हैं और इस संबंध में वार्ता के लिए सरकार तैयार है लेकिन छात्र आंदोलन का जिस तरह से राजनीतिकरण किया जा रहा है, वह अच्छी बात नहीं है. नई दिल्ली में जंतर मंतर पर जब छात्र आंदोलन कर रहे थे तो भाजपा के लिए वो 'देशद्रोही' थे और यहां आंदोलन कर रहे छात्र इनके लिए प्रिय कैसे हो गए.

नीट पेपर लीक मामले में छात्र जब केंद्र सरकार से बातचीत के लिए गए थे, तो उसमें कोई पूर्व महाधिवक्ता नहीं थे लेकिन झारखंड में छात्रों के आंदोलन में पूर्व महाधिवक्ता का नाम शामिल करना उचित नहीं है.

धनबाद में फिर भू-धंसान, आधा दर्जन घर जमींदोज, जमीन में समाई सामान और मोटरसाइकिल

धनबाद, एजेंसी। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच एक बार फिर भू-धंसान की घटना सामने आई है. कतरास थाना क्षेत्र के सेलेक्टेड गोविंदपुर में अचानक जमीन धंसने से करीब आधा दर्जन घर जमींदोज हो गए.

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि भू-धंसान की चपेट में आने से घरों में रखा सामान समेत मोटरसाइकिल भी जमीन के अंदर समा गई. अचानक हुए भू-धंसान के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया. स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए. लोगों का कहना है कि अचानक रात के समय खाना बना रही थी और तेज आवाज के साथ भू-धसान होने लगा.घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और बीसीसीएल के अधिकारी मौके पर पहुंचे. बाघमारा अंचलाधिकारी गिरिजानंद किस्कू ने बताया कि भूधंसान में छह मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं. लेकिन राहत की बात है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. उन्होंने कहा कि बीसीसीएल के अधिकारियों से बातचीत हो चुकी है और प्रभावित परिवारों को तत्काल बेलगड़िया पुनर्वास कॉलोनी में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है.

अंचलाधिकारी ने यह भी बताया कि बारिश के मौसम में भूधंसान की घटनाओं को देखते हुए बीसीसीएल को सभी क्षेत्रों में 20-20 क्वार्टर चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है. जिससे कि भविष्य में कहीं भी ऐसी घटना होने पर प्रभावित परिवारों को बिना देर किए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके.

इलाके में लगातार हो रही बारिश के कारण कतरास क्षेत्र में जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ रही है. इससे लोगों के बीच घर और जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है. वहीं घटना में बची एक पीड़ित महिला ने कहा कि घर में काम करने के दौरान बिजली कड़कने जैसी आवाज आई. जिसके बाद वे लोग शोर करते हुए बाहर निकला. देखते ही देखते घर जमीन में समा गया. महिला ने बताई कि आसपास के लगभग आधा दर्जन घर जमींदोज हुआ है.

संदेह के घेरे में 63 लाख से अधिक मतदाता, चुनाव आयोग नोटिस भेजकर मांगेगा जवाब!

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान करीब 63 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजकर चुनाव आयोग जवाब तलब करने जा रहा है. ये वैसे मतदाता हैं जो या तो नो मैपिंग श्रेणी में हैं या जिनका डेमोग्राफिकल सीमिलर इंट्री है. सबसे ज्यादा तार्किक विसंगति श्रेणी के वोटर हैं जिनकी संख्या 45,55,227 है. संदेह के घेरे में आए इन मतदाताओं में वैसे वोटर हैं जिनका नाम पिछले एसआईआर से यदि मैच करता है मगर नाम या माता-पिता के नाम में अशुद्धि या जन्म तिथि या एक से अधिक जगहों पर वोटर लिस्ट में नाम है तो उन्हें नोटिस का सामना करना पड़ेगा. इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची के बाद संचालित दावा-आपत्ति प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की. बैठक में दावा-आपत्ति के ससमय निर्धारण एवं जल्द से जल्द निष्पादन पर जोर दिया गया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में दावा-आपत्ति मामलों की संख्या अधिक है, वहां अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए जिलों में उपलब्ध सक्षम पदाधिकारियों की सूची तत्काल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि दावा-आपत्ति की प्रक्रिया ससमय प्रभावी ढंग से पूर्ण की जा सके.

पलामू में शुरू हुआ ऑपरेशन सफाया, टारगेट पर अवैध हथियार

पलामू, एजेंसी। अवैध हथियार के खिलाफ पुलिस ने ऑपरेशन सफाया की शुरूआत की है. पलामू के इलाके में अवैध हथियार के कारोबार को रोकना एक बड़ी चुनौती है. बड़ी संख्या में इस इलाके के लोग सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो अपलोड करते हैं. हाल के दिनों में पलामू पुलिस की कार्रवाई में हथियार को लेकर कई खुलासे हुए हैं.

ऑपरेशन सफाया से पहले पलामू पुलिस ने हथियार तस्कर एवं आर्म्स एक्ट से जुड़े हुए मुकदमों की एक सूची तैयार भी की है. पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी निगरानी बढ़ाई है और यह देख रही है कि किस व्यक्ति ने हथियार के साथ सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड किया है. ऑपरेशन सफाया के तहत पलामू पुलिस को पिछले दो दिनों में चार से अधिक हथियार बरामद हुए हैं. 'पलामू पुलिस ने अपराध पर नियंत्रण और शहरी इलाके में शांति व्यवस्था को कायम करने के लिए ऑपरेशन सफाया की शुरुआत की है. ऑपरेशन सफाया के तहत अवैध हथियार को टारगेट किया गया है. पुलिस शांति व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है. नशे के कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चलाया गया था, उसी तर्ज पर ऑपरेशन सफाया चलाया जा रहा है.' - कपिल चौधरी, एसपी पलामू में नशे के कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार की शुरुआत की गई है. तीन जुलाई से शुरू हुए ऑपरेशन प्रहार के तहत पलामू पुलिस को कई इंटर-स्टेट गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है. पिछले 28 दिनों में पुलिस ने 375.32 किलो गांजा, 6.69 किलो अफीम, 48 किलो डोडा, 5.49 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है. इस दौरान इंटर-स्टेट नेटवर्क से जुड़े हुए 19 अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है. ऑपरेशन प्रहार से पहले पलामू पुलिस ने नशे के कारोबारियों की एक सूची तैयार की. इस सूची में नशे के कारोबार करने वाले व्यक्ति के बारे में एक-एक बिंदु पर जानकारी है. पलामू का इलाका बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से सटा हुआ है. यहां देश के किसी भी इलाके में ट्रांसपोर्टिंग बेहद ही आसान है. यही वजह है कि पलामू का इलाका नशा, हथियार और वन्यजीव की तस्करी का सॉफ्ट टारगेट है. पलामू के इलाके को अपराधी जंक्शन पॉइंट के रूप में इस्तेमाल करते हैं. गांजा और अफीम की डिलीवरी प्वाइंट पलामू के इलाके में होती है, जबकि शराब का कारोबार के लिए पलामू के रूट का इस्तेमाल होता है.

झारखंड के नाम एक और उपलब्धि, 7 राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं की मिली मेजबानी

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड के लिए बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है. स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में आयोजित होने वाली सात राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी झारखंड को सौंपी है.

इन प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा किया जाएगा. प्रतियोगिताओं में देशभर के लगभग 42 राज्यों एवं संबद्ध इकाइयों के हजारों खिलाड़ी, प्रशिक्षक, तकनीकी पदाधिकारी और टीम प्रबंधक हिस्सा लेंगे.

झारखंड को जिन खेलों की मेजबानी मिली है, उनमें फुटबॉल (अंडर-14 एवं

अंडर-17 बालिका), साइक्लिंग (ट्रैक), वुशु, बास्केटबॉल, योगासन, ताइक्वांडो और हॉकी शामिल हैं. इनमें विभिन्न आयु वर्गों के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे. राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. आयोजन सचिव सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने कहा कि सात राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी राज्य के लिए गर्व के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है.उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि झारखंड की खेल अधोसंरचना, आयोजन क्षमता और स्कूली खेलों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है.

विधानसभा मार्च पर मौसम डाल सकता है खलल, रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश के आसार

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है. अगले तीन दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी. राजधानी रांची में भी इन तीन दिनों के दौरान बारिश की संभावना बनी रहेगी. रांची समेत मध्य झारखंड के इलाकों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है. ऐसे में शहर में जलजमाव और ट्रैफिक प्रभावित होने की आशंका है.

राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा द्वारा शामिल होने की घोषणा से पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड में हैं. हालांकि जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन कर रहे छात्रों ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे इस मार्च में शामिल नहीं होंगे. ऐसे में यदि रांची में तेज बारिश होती है तो विधानसभा मार्च पर भी मौसम का असर देखने को मिल सकता है.

छात्र आंदोलन के बीच 6 अगस्त को सरकार की ओर से गठित कमेटी और छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच प्रस्तावित बातचीत नहीं हो सकी. देर शाम तक स्टेट गेस्ट हाउस में बातचीत की संभावना पर चर्चा होती रही, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल पाया. ऐसे में एक ओर

विधानसभा मार्च और दूसरी ओर संभावित वार्ता, दोनों पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं.

मौसम केंद्र के मुताबिक अधिकांश हिस्सों में मेघ गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है. इसके साथ ही गुमला और खूंटी जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है. रांची, बोकारो, रामगढ़, लोहरदगा, धनबाद, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है. 8 अगस्त को भी मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा. राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की संभावना बनी रहेगी. रांची सहित मध्य, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी झारखंड के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे. मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है. 9 अगस्त को भी झारखंड में मानसून सक्रिय रहेगा. राज्य के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की संभावना है. हालांकि इस दिन भारी बारिश की कोई विशेष चेतावनी नहीं है. फिर भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है और वज्रपात की आशंका बनी रहेगी. रांची में भी बीच-बीच में बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है.

राहे में हुए ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। जिला के राहे थाना क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर केस का रांची पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर लिया है. पुलिस ने इस मामले में हत्या के मुख्य आरोपी समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फरसा, एक बाइक, मोबाइल फोन तथा अन्य सामान भी बरामद किया गया है.

रांची ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि 4 अगस्त 2026 को सूचना मिली थी कि राहे थाना क्षेत्र के ग्राम पारमडीह ढुंगरीटोला स्थित एक सुनसान स्थान पर अज्ञात व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. सूचना के आधार पर राहे थाना में कांड संख्या 18/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया. जांच के दौरान मृतक की पहचान रांची के सिल्ली थाना क्षेत्र के गोढ़ा गांव निवासी कंचन महतो के रूप में हुई.

संक्षिप्त समाचार

डीएम सर ! स्कूल शुरू करवा दीजिए, गुहार लेकर जिला समाहरणालय पहुंच गए छात्र-छात्राएं

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड के आनंदपुर उच्च माध्यमिक विद्यालय के दर्जनों छात्राएं गुरुवार को अपनी पढ़ाई बचाने की गुहार लेकर जिला समाहरणालय पहुंचे. छात्र-छात्राएं मेन गेट के सामने जमीन पर बैठ गए और प्लस टू हाई स्कूल का संचालन उनके गांव में ही किया जाय, इसकी मांग की.

समाहरणालय के गेट पर छात्रों का प्रदर्शन : शिक्षा विभाग ने आनंदपुर उच्च माध्यमिक विद्यालय को जिस गांव में शिफ्ट किया है, वो स्कूल 10 से 12 किलोमीटर दूर है. ग्रामीणों का कहना है कि ''जिला शिक्षा पदाधिकारी धनंजय कुमार पासवान ने पहले आदेश दिया था कि स्कूल का संचालन आनंदपुर गांव में ही होगा. आदेश मिलने के बाद छात्र आनंदपुर विद्यालय पहुंचने लगे.''

''इन बच्चों को बहुत परेशानी हो रही है. 10-12 दिन से बच्चे स्कूल में है. परीक्षा का 6 महीना बचा हुआ है. इन लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. इन्हें कहा गया कि आप लोगों को आनंदपुर में पढ़ाएंगे, लेकिन वहां कोई टीचर पढ़ाने नहीं आते है.''

गांव में ही स्कूल चाहते हैं छात्र-छात्राएं: वहीं बच्चों का कहना है कि ''शिक्षकों ने भी जल्द पढ़ाई शुरू कराने का आश्वासन दिया, लेकिन नियमित कक्षाएं शुरू नहीं हुईं. हम लोग रोज विद्यालय पहुंचते रहे, जबकि अधिकांश समय शिक्षक नहीं आए.''

इधर, ग्रामीणों के कहने पर छात्र-छात्राएं पूरे दिन विद्यालय में बैठे रहते, लेकिन पढ़ाई नहीं हो पाती. इस बीच पहले के आदेश को रद्द कर बसमता गांव के मध्य विद्यालय भवन में कर दिया गया, जिससे ग्रामीण और छात्र नाराज है.

क्या था नए आदेश में : शिक्षा विभाग की ओर से नए आदेश में बताया गया कि ''विद्यालय की जमीन पर टाइटल सूट का मामला लंबित है. जांच के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक शिक्षा), उप प्रबंधक तकनीकी बीएसईआईडीसी तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मीपुर की समिति गठित की गई है. जांच पूरी होने और भवन निर्माण कार्य समाप्त होने तक विद्यालय का संचालन फिर से बसमता के मध्य विद्यालय भवन में करने का निर्देश दिया गया.''

डीएम सर ! स्कूल शुरू करवा दीजिए : लगातार बदलते आदेशों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ा दी है. छात्रा पूजा कुमारी का कहना है कि ''कभी बसमता जाने को कहा जाता है तो कभी आनंदपुर बुला लिया जाता है. इसलिए डीएम सर से गुहार लगाने यहां पहुंचे है कि आप हमारी पढ़ाई शुरू करवा दीजिए. परीक्षा में अब लगभग छह महीने का समय बचा है, हम लोगों की पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है.''

बिहार का रामपुर गांव, 'क्राफ्ट हैंडलूम विलेज' में बुनकरों का अधूरा सपना

गया, एजेंसी। आज जब पूरा देश नेशनल हैंडलूम डे मना रहा है, तब बिहार के गया जिले का बोधगया स्थित रामपुर गांव सरकारी योजनाओं की विफलता और प्रशासनिक बेरुखी पर आंसू बहा रहा है. रामपुर गांव की कहानी सिर्फ एक गांव की नहीं है, बल्कि यह उन लाखों कारीगरों और बुनकरों की कहानी है, जो सरकारी योजनाओं के अधूरे वादों और बाजार की बेरुखी के बीच फंसे हुए हैं.

क्राफ्ट हैंडलूम विलेज के लिया गया गोद: दरअसल साल 2020 में केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी के कार्यकाल में देश के जिन 10 गांवों को 'क्राफ्ट हैंडलूम विलेज' के रूप में गोद लिया गया था, उनमें रामपुर भी शामिल था. मैनचेस्टर ऑफ बिहार कहे जाने वाले पटवा टोली की तर्ज पर इस गांव को सुविधाओं से लैस कर अंतरराष्ट्रीय पहचान देने का वादा किया गया था.

पर्यटकों के आगमन से बंधी थीं उम्मीदें: बोधगया के बड़े होटलों और बौद्ध मठों के पास स्थित होने के कारण यहां हर दिन देश-विदेश के पर्यटकों का आवागमन लगा रहता है. रामपुर गांव को क्राफ्ट हैंडलूम विलेज बनाने का अहम मकसद भी यही था कि देश दुनिया से आने वाले पर्यटक यहां की पारंपरिक और नई कला से वाकिफ हों, यहां के प्रोडक्ट खरीदें ताकि यहां का हुनर और सामान देश दुनिया तक पहुंचे. दरअसल गांव के गड़ेरिया पाल समाज के लगभग 120 परिवार सदियों से भेड़ पालन और उसके बाल से ऊन तैयार कर कंबल बनाने के पारंपरिक हुनर में माहिर थे. वस्त्र मंत्रालय के क्राफ्ट हैंडलूम विलेज की योजना के तहत जब गांव में अधिकारियों की सायरन बजाती गाड़ियां पहुंचने लगीं, तो 600 से अधिक की आबादी वाले इस समाज में अपनी आर्थिक स्थिति सुधरने की एक नई उम्मीद जागी थी.

एक घंटे का सफर अब सिर्फ 5 मिनट में पूरा होगा, धनवती नदी पर आरसीसी पुल तैयार

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी स्थित 10 प्रखंडों के लोगों को विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है. नगर निगम क्षेत्र के मंजूरा वार्ड-32 में धनवती नदी पर 13 करोड़ 71 लाख की लागत से आरसीसी पुल बनकर तैयार हो चुका है. इस पुल के चालू होने से लोगों को जिला मुख्यालय जाने में बड़ी राहत मिलेगी. पहले जहां जिला मुख्यालय जाने में 1 घंटे लगते थे, अब लोग 5-10 मिनट में पहुंच जाएंगे.

निर्माण कार्य लगभग पूरा: प्रोजेक्ट इंजीनियर ने बताया कि पुल निर्माण का काम 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि अब केवल अप्रोच पथ का निर्माण शेष है. अगले एक महीने के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा. पुल बनने के बाद कोटवा, कल्याणपुर, केसरिया, संग्रामपुर, मोतिहारी, बंजरिया, पीपराकोठी, सुगौली, तुरकौलिया समेत 10 प्रखंडों के 18 लाख लोगों की राह आसान होगी. पहले 20-22 किमी दूरी तय कर जिला मुख्यालय जाना होता था, अब यह एक किलोमीटर से भी कम हो जाएगी.

'केवल अप्रोच पथ का निर्माण बाकी है. हमारी टीम तेजी से काम कर रही है. उम्मीद है कि अगले एक महीने के भीतर पूरा प्रोजेक्ट तैयार हो जाएगा. हजारों वाहन प्रतिदिन इस मार्ग से गुजर सकेंगे. लोगों को घंटों की यात्रा कुछ ही मिनटों में पूरी करने का अवसर मिलेगा.'

वर्षों से इस क्षेत्र के लोग धनवती नदी पर पुल निर्माण की मांग कर रहे थे. बरसात के दिनों में नदी पार करना लोगों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता था. कई बार लोगों को लंबा चक्कर लगाकर जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी. लोगों की मांग को देखते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान रखी थी.

स्थानीय लोगों में खुशी की लहर: स्थानीय संदीप कुमार सिंह ने बताया कि 'हम लोग वर्षों से इस पुल का इंतजार कर रहे थे. पुल बनने से जिला मुख्यालय आना-जाना काफी आसान हो जाएगा. छात्रों, किसानों, व्यापारियों और मरीजों, सभी को इसका सीधा लाभ मिलेगा. सरकार ने इस क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी की है, जिसके लिए हम लोग आभार व्यक्त करते हैं. '

'इस पुल के शुरू होने से केवल आवागमन ही आसान नहीं होगा, बल्कि पूरे इलाके के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी. किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में समय बचेगा. मरीजों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचने में भी राहत मिलेगी.'

प्रखंड की बदलेगी तस्वीर: स्थानीय दिनेश कुमार ने बताया कि 'बरसात के समय सबसे ज्यादा परेशानी होती थी. कई किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता था. अब पुल बनने से लोगों का समय बचेगा और परिवहन भी आसान होगा. यह पूरे क्षेत्र के लिए विकास का नया रास्ता साबित होगा. '

उद्घाटन को लेकर लोगों में भारी उत्साह: जानकारी के अनुसार, निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के हाथों कराया जा सकता है. हालांकि, उद्घाटन की आधिकारिक तिथि की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र के लोगों में इस बात को लेकर उत्साह है कि जल्द ही यह पुल आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा.

पटना में युवक की मौत पर बवाल, भीड़ ने कई गाड़ियां फूंकी.. पुलिस फोर्स ने संभाला मोर्चा

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना पटना में शुक्रवार को सड़क हादसे के बाद जमकर हंगामा देखने को मिला. हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. इस भीषण हादसे से आक्रोशित स्थानीय लोगों की उग्र भीड़ ने मौके पर जमकर हंगामा किया और कई गाड़ियां फूंकी दी. इस भारी हंगामे के बीच हाईवे जाम हो गया. पुलिस की तीन गाड़ियां भी फूंकी : राजधानी पटना जिले के अगमकुआं थाना क्षेत्र में बेलगाम बसों के चलते लोगों गुस्साई भीड़ का गुस्सा उस समय फूट पड़ा, जब एन एच 30 पर एक तेज रफ्तार बस ने एक युवक मनीष कुमार (26 वर्षीय) को कुचल दिया. युवक की मौत के बाद आसपास की भीड़ सड़क पर आ गई और देखते-ही-देखते कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया. शख्स की मौत के बाद उबाल, बस जलाई : प्रत्यक्षदर्शी अरविंद कुमार ने बताया कि, ''लोगों ने सबसे पहले उस बस में आग लगा दी, जिस बस से कुचलकर युवक की मौत हुई थी. आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. इस बीच हिंसक भीड़ ने पुलिस की गाड़ी समेत कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया.''''सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. इधर घटना की सूचना मिलते ही अगमकुआं थाने की पुलिस और यातायात पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची और हालात को संभाला.'' आगजनी की घटना के बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन दमकलकर्मियों का सामना हिंसक भीड़ से हो गया. ऐसे में मौके से दमकलकर्मियों को भी वापस लौटना पड़ा.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हंगामा कर रहे लोगों ने पुलिस पर पथराव किया है. घटना के बाद पूरा इलाके में जहां-तहां गाड़ियां फंस गई. काफी देर तक हंगामा और अफरा-तफरी का माहौल रहा. अभी भी मौके पर प्रदर्शन कर रहे लोग : पुलिस टीम आक्रोशित लोगों को शांत कराने और स्थिति को नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रही है, लेकिन मृतक के परिजन और स्थानीय लोग मुआवजे की मांग को लेकर अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है. लोग ट्रैफिक व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग पर अड़े हुए हैं. पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव : इस बीच, अगमकुआं थाना पुलिस ने बताया कि ''मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है. इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है.''

बेटे के जन्मदिन पर पति की आंखें फोड़कर हत्या करने वाली पत्नी और उसके प्रेमी को उम्रकैद

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आदि देव की अदालत ने पति की निर्मम हत्या के जुर्म में पत्नी संगीता देवी और उसके प्रेमी कुंदन कुमार उर्फ बजरंगी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. 21 जुलाई 2023 को सिमरी थाना क्षेत्र के कमरौली गांव के मुर्गी फॉर्म में बेटे का जन्मदिन मनाने गए राम कुमार साह की हत्या पत्नी और उसके प्रेमी ने कर दी थी. हत्या के तीन साल बाद मिली सजा: बेटे की हत्या के बाद मृतक के पिता रामाशीष साह ने सिमरी थाना में 147/23 प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. कोर्ट में सुनवाई के बाद तीन साल बाद हत्यारी पत्नी और प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा मिली है. बेटे का जन्मदिन मनाने गया था राम कुमार: मृतक की पत्नी संगीता देवी कुंदन कुमार के मुर्गी फॉर्म में काम किया करती थी. इस कारण 21 जुलाई 2023 की रात रामकुमार साह अपने बेटे का जन्मदिन मनाने मुर्गी फॉर्म पर पत्नी के पास गया था.

मोबाइल नहीं मिला तो 100 फीट ऊंचे बिजली टावर पर चढ़ा 14 साल का किशोर

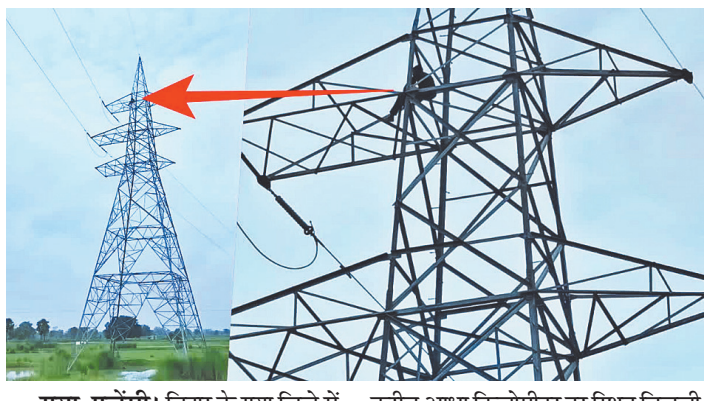

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले में मोबाइल के खुमार और नाराजगी में एक किशोर ने हैरान कर देने वाला कदम उठा लिया. मोबाइल की मांग को लेकर यह 14 वर्षीय किशोर 1.33 लाख वोल्ट क्षमता वाली बिजली लाइन के ऊंचे टावर पर जा चढ़ा. इस दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद हर कोई बुरी तरह डर गया.

कहां का मामला है: गया के वजीरगंज में हैरान कर देने वाला यह वाक्या सामने आया. मामला गुरुवार की सुबह का है. जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना गया जिले के वजीरगंज प्रखंड के कारी पंचायत स्थित नारायणपुर गांव की है. जहां गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित बिजली के टावर पर किशोर अंकित कुमार चढ़ गया.

बेगूसराय से गया आया था: यह नारायणपुर के स्व. राजो राजवंशी का 14 वर्षीय नाती अंकित कुमार है. मुखिया पति विजय राजवंशी ने बताया कि अंकित दो दिन पहले अपने घर बेगूसराय से बिना बताए अकेले ननिहाल नारायणपुर आ गया था. उसकी तलाश करते हुए उसकी मां भी गांव पहुंची थीं. इसी बात को लेकर परिजनों ने उसे डांट-फटकार लगाई थी.

मोबाइल फोन लेकर टावर पर चढ़ा: डांट से नाराज होकर वह करीब 100 मीटर ऊंचे बिजली टावर पर चढ़ गया. घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए. इस दौरान अंकित ने साफ कहा कि जब तक उसे मोबाइल फोन नहीं मिलेगा, वह नीचे नहीं उतरेगा.

टावर पर चढ़े अंकित को नीचे उतरने के लिए पंचायत की मुखिया रेखा देवी, चौकीदार विजय राजवंशी, स्नेही सिंह, कामता सिंह, ललन राजवंशी, उपेन्द्र राजवंशी समेत कई ग्रामीणों ने काफी देर तक समझाया. इसके बाद मुखिया ने उसे अपना मोबाइल देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद वह सुरक्षित नीचे उतर आया. 'किसी प्रकार से हम लोगों ने मिन्नतें कर उसे नीचे उतारा. भगवान का शुक्र है, कि वह पूरी तरह से सुरक्षित है. मोबाइल का आश्वासन देने के बाद नीचे उतराअंकित के टावर पर चढ़े रहने के दौरान करीब एक घंटे तक पूरे गांव के लोग चिंतित रहे. किशोर के सुरक्षित नीचे उतरने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली. घटना के बाद मुखिया और गांव के लोगों ने अंकित को समझाया और भविष्य में ऐसा कदम नहीं उठाने की सलाह दी.

अंधविश्वास में दो सगे भाइयों की मौत..सांप डसने के बाद झाड़-फूंक का चक्कर पड़ा महंगा

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां अंधविश्वास के कारण दो किशोर की जान चली गई. कुदरा थाना क्षेत्र के अजगरा गांव के दो भाई धर्मवीर (15) और धर्मराज (12) रात में छत पर सो रहे थे तभी सांप ने दोनों को डस लिया. समय पर इलाज न मिलने से दोनों मौत हो गयी.

झाड़-फूंक के चक्कर में गंवाई जान: दोनों भाइयों को सर्पदंश के बाद परिवार ने तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय पास के कर्मा गांव में ओझा के पास झाड़-फूंक कराने ले गए. घंटों तक झाड़-फूंक होती रही. जब हालत और बिगड़ने लगी तो दोनों को मोहनिया अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया. अस्पताल जाने के दौरान बड़े भाई धर्मवीर की मौत हो गयी. धर्मराज को सदर अस्पताल से बनारस रेफर किया गया. बनारस जाने के दौरान धर्मराज की भी मौत हो गयी.

बनारस रेफर, इलाज जारी: मृतक के पिता सत्येंद्र बैठा ने बताया कि मोहनिया से दोनों को भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों के अनुसार समय पर एंटी-स्नेक वेनम मिल जाता तो दोनों की जान बचाई जा सकती थी, लेकिन झाड़-फूंक के कारण काफी देर हो गयी. घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है. पिता ने जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की है.

'दोनों बेटे रात को छत पर सोये थे तभी सांप ने काट लिया. मेरा भाई दोनों को लेकर पास के गांव कर्मा में झाड़-फूंक कराने चला गया, जिससे बड़े बेटे की मौत हो गई. जब कि छोटे बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया. बनारस जाने के दौरान उसकी भी मौत हो गयी.'

परिजनों ने की मुआवजे की मांग: गांव के महेंद्र कुमार ने बताया कि, परिवार के अनुसार पिता सत्येंद्र बैठा मजदूरी करते हैं. काफी गरीब हैं. इनके दोनों बेटे को रात में सांप ने डस लिया था, जिसके बाद झाड़-फूंक के चक्कर में दोनों की मौत हो गयी. दोनों को लेकर कर्मा गांव ले गए थे, जहां देरी हो गई.

गांव के लोगों पर अंधविश्वास हावी: यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि सर्पदंश का इलाज हर सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है. फिर भी कई इलाकों में लोग ओझा-गुनी के पास भागते हैं. समय पर इलाज मिल जाता तो घर का चिराग नहीं बुझता.

प्रशासन से कार्रवाई की अपील: स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाए. सर्पदंश के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचने की सलाह दी जा रही है. धर्मवीर और धर्मराज की मौत ने पूरे गांव को शोक में डाल दिया है.

बिहार शिक्षक स्थानांतरण पर बड़ा अपडेट, 31 अक्टूबर तक पूरे होंगे सभी तबादले, सितंबर में दूसरे चरण का आवेदन

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया को लेकर बड़ा अपडेट है. शिक्षा विभाग ने लक्ष्य तय किया है कि 31 अक्टूबर 2026 तक तबादले से जुड़े सभी मामलों का निष्पादन कर दिया जाएगा. शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने गुरुवार को विभाग में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह अहम जानकारी साझा की है.

पारदर्शी नियमावली और ऑनलाइन प्रक्रिया: उन्होंने बताया कि बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 के तहत पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और शिक्षक हितों को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही है. उन्होंने कहा कि स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शिक्षक पूरी ऊर्जा के साथ विद्यालयों में पठन-पाठन पर ध्यान दे सकेंगे और शैक्षणिक स्तर सुधरेगा.

ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन का आंकड़ा: शिक्षा मंत्री ने बताया कि समायोजन और समानुपातीकरण के लिए 29 जुलाई से 5 अगस्त तक ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन लिए गए. इस दौरान राज्य के 1,06,287 अधिशेष (सरप्लस) शिक्षकों में से 73,151 शिक्षकों, यानी करीब 70 प्रतिशत ने स्वेच्छा से ऑनलाइन आवेदन किया. शिक्षक इस व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं.

पारस्परिक स्थानांतरण का निष्पादन: पारस्परिक (म्यूचुअल) स्थानांतरण के लिए 4,259 शिक्षकों ने आवेदन दिया है. उन्होंने कहा कि स्थानांतरण प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी. पहले चरण में 7 अगस्त से 9 सितंबर तक जिला, प्रमंडल और राज्य स्तर पर गठित स्थापना समितियां शिक्षकवार समायोजन सूची जारी करेंगी. विभाग इसकी निगरानी कर रहा है.

आपत्तियों का निपटारा और अगला चरण: इस दौरान प्राप्त आपत्तियों और अपीलों का भी निपटारा किया जाएगा. इसके बाद 10 से 14 सितंबर के बीच पारस्परिक स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों का निष्पादन होगा. शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बताया कि सामान्य स्थानांतरण के लिए 17 सितंबर से दोबारा आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी.

'इस चरण में वे शिक्षक भी आवेदन कर सकेंगे, जो किसी कारणवश 5 अगस्त तक आवेदन नहीं कर पाए थे. विभाग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र शिक्षक स्थानांतरण की प्रक्रिया से वंचित न रहे. शिक्षकों ने ऑनलाइन आवेदन के दौरान जिन विद्यालयों का विकल्प दिया है, स्थानांतरण उन्हीं में होगा.' -मिथिलेश तिवारी, शिक्षा मंत्री, बिहार

पारदर्शिता और भ्रम का निवारण: किसी भी शिक्षक का तबादला उसकी पसंद के बाहर किसी दूसरे विद्यालय में नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि इससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी और शिक्षकों के बीच किसी तरह की भ्रम की स्थिति नहीं होगी. विभाग इस नीति को पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाना चाहता है.

महिला और पुरुष शिक्षकों को सुविधा: शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि महिला शिक्षकों को यथासंभव उनके गृह प्रखंड और पुरुष शिक्षकों को गृह जिले के भीतर पदस्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है. इससे उन्हें पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप सुविधा मिल सकेगी. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया है.

एम-5 कोच में यात्री का सामान कर था चोरी, सिक्किम-महानंदा ट्रेन से यात्रियों ने पकड़ा

पटना, एजेंसी। पटना जंक्शन पर सिक्किम-महानंदा एक्सप्रेस में यात्रियों के सामान की चोरी की कोशिश उस समय नाकाम हो गई, जब यात्रियों और टीटीई की सतर्कता से एक शातिर चोर को रंगेहाथ पकड़ लिया गया.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पूर्वी चंपारण के बंजरिया थाना क्षेत्र निवासी रणवीर कुमार उर्फ लक्ष्मण सिंह के रूप में हुई है. आरोपी के खिलाफ पहले से शराबबंदी कानून उल्लंघन समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं.

पटना जीआरपी टीम ने बताया कि, सिक्किम-महानंदा एक्सप्रेस के एम-5 कोच में एक यात्री गहरी नींद में सो रहा था। इसी दौरान रणवीर कुमार उसके सामान पर हाथ साफ करने की कोशिश कर रहा था। तभी ड्यूटी पर मौजूद टीटीई की नजर उस पर पड़ गई.

ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने बताया कि, ''टीटीई ने तुरंत यात्रियों को सतर्क किया और सभी ने मिलकर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया. ट्रेन के पटना जंक्शन पहुंचते ही मामले की सूचना जीआरपी को दी गई.''

सूचना मिलते ही पटना जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया. पूछताछ के दौरान पुलिस को उसके मुंह से शराब की तेज दुर्गंध महसूस हुई. इसके बाद ब्रेथ एनलाइजर से जांच कराई गई, जिसमें उसके शराब पीने की पुष्टि हुई. पुलिस ने चोरी के प्रयास और शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. जांच के दौरान जब रेल पुलिस ने आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. रणवीर कुमार के खिलाफ अगमकुआं, गांधी मैदान, सचिवालय, फुलवारीशरीफ और चित्रगुप्तनगर समेत विभिन्न थानों में शराबबंदी कानून के उल्लंघन और अन्य अपराधों से जुड़े कुल छह मामले दर्ज हैं. इन मामलों में वह पहले भी जेल जा चुका है.

संक्षिप्त समाचार

सहपाठी ने दुष्कर्म के बाद की थी छात्रा की हत्या

- तीन घंटे रहा साथ फिर कर उतारा मौत के घाट

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में पारा इलाके में स्नातक की छात्रा की दुष्कर्म के बाद सहपाठी ने गला रेतकर हत्या की थी। पीड़ित परिवार के आरोप के बाद पुलिस ने एफआईआर में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धारा बढ़ा दी। पुलिस ने हत्यारोपी युवक को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।
छात्रा का डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में वीडियोग्राफी कराई गई। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए

स्लाइड भी बनाई गई है। छात्रा के शरीर पर चाकू से 12 निशान मिले हैं। मौत का कारण गला कटना और ज्यादा खून बहना बताया गया है। पोस्टमार्टम के बाद बृहस्पतिवार दोपहर छात्रा का अंतिम संस्कार ठाकुरगंज के गुलाला घाट पर कर दिया गया।
इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि मूलरूप से हरदोई निवासी युवक लखनऊ में आलमनगर में रहता था। उसका छात्रा से दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार को दोनों की फोन पर बात हुई थी। छात्रा ने बताया था कि माता-पिता अमेठी गए हैं और बड़ी बहन कॉलेज में है। घर पर वह अकेली है। इसके बाद युवक वहां पहुंचा था। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी घर के भीतर जाते दिखा है। आरोपी ने पहले छात्रा से दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी।
तीन घंटे रहे साथ : पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह छात्रा के साथ मकान के पहले तल पर बने कमरे में तीन घंटे तक था। आरोपी को संदेह था कि छात्रा इंस्टाग्राम पर किसी और से भी बात करती है। संदेह होने पर उसने छात्रा से उसका मोबाइल फोन मांगा। छात्रा ने फोन देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद शुरू हुआ और आरोपी ने उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। इस दौरान आरोपी को भी दो जगह चाकू से चोट आई थी।

राम मंदिर के 2743 नित्य दर्शन पास हुए अमान्य

- श्रद्धालु परेशान, चढ़ावा चोरी के बाद से हो रही मुश्किल

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद निष्प्रभावी किए गए 2743 नित्य दर्शन पास की व्यवस्था अब भी पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी है। इसके चलते नियमित रूप से रामलला के दर्शन करने वाले साधु-संतों और अयोध्या के स्थानीय श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन श्रद्धालुओं के नित्य दर्शन पास की वैधता समाप्त हो

चुकी है, उनके पास भी निरस्त किए जा रहे हैं, जबकि नए नित्य दर्शन पास फिलहाल जारी नहीं किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोरी प्रकरण के बाद नित्य दर्शन पास निष्प्रभावी कर दिए गए थे। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट सभी नित्य पासों की समीक्षा कर रहा है। समीक्षा के दौरान जिन पासों की वैधता समाप्त हो चुकी है, उन्हें निरस्त किया जा रहा है। हालांकि, उनकी जगह नए नित्य दर्शन पास जारी न होने से नियमित दर्शन करने वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।
सबसे अधिक परेशानी उन साधु-संतों और स्थानीय श्रद्धालुओं को हो रही है, जो लंबे समय से नित्य दर्शन पास के माध्यम से प्रतिदिन रामलला के दर्शन करते रहे हैं। पास समाप्त होने के बाद उन्हें सामान्य व्यवस्था के तहत दर्शन करना पड़ रहा है और नए नित्य पास मिलने की समय-सीमा भी तय नहीं की गई है।

प्रशासन को पहले से थे संकेत

फिर भी नहीं रोकी जा सकी संभल में हिंसा, रिपोर्ट में उठे सवाल

लखनऊ , एजेंसी। संभल हिंसा पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट ने पुलिस और प्रशासन की तैयारियों को लेकर कई अहम सवाल खड़े किए हैं। हालांकि आयोग ने कहीं भी सीधे तौर पर पुलिस या प्रशासन को दोषी नहीं ठहराया, लेकिन रिपोर्ट का घटनाक्रम संकेत देता है कि पुलिस-प्रशासन को हिंसा की आशंका पहले से होने और संवेदनशीलता का अंदाजा रहने के बावजूद हालात पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सका। रिपोर्ट के तथ्य बताते हैं कि यदि हालात का आकलन और भी सटीक होता, भीड़ नियंत्रण की रणनीति अधिक प्रभावी होती, तो नुकसान कम किया जा सकता था। 19 नवंबर 2024 को पहले चरण के सर्वे के दौरान ही विरोध शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए और सर्वे को रोकने का प्रयास कर रहे थे। इसके बाद 22 नवंबर की जुमे की नमाज में सामान्य से कहीं अधिक भीड़ जुटी। आयोग ने स्वयं दर्ज किया कि उसी समय स्पष्ट था कि अगला सर्वे बेहद संवेदनशील होगा और विशेष सतर्कता की

जरूरत होगी। इसके बावजूद 24 नवंबर को हिंसा भड़क गई।
तैयारी भी की, तब भी जुट गई थी भीड़ : रिपोर्ट बताती है कि 23 नवंबर की रात मस्जिद प्रबंधन समिति को अगले दिन होने वाले सर्वे की सूचना दी गई थी। पुलिस ने अतिरिक्त बल बुलाया, बेरिकेडिंग कर अर्द्धसैनिक बल भी तैनात किया डीएम और एसपी खुद मौके पर थे। तब भी सुबह होते-होते भीड़ कैसे हो गई, यह रिपोर्ट के बाद भी अहम सवाल बना हुआ है। कुछ। कुछ लोगों ने चेहरे ढके थे और भीड़ अचानक हिंसक हो गई। पुलिस पर पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। पुलिसकर्मियों से 9 एमएम पिस्टल की मैगजीन और कारतूस तक लूटे गए। सरकारी और निजी वाहनों में आग लगा दी गई। यह घटनाक्रम भीड़ नियंत्रण व्यवस्था और सुरक्षा घेरे की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा करता है। पुरानी घटनाओं से लेना था सबकः संभल का सांप्रदायिक इतिहास भी रिपोर्ट का अहम हिस्सा है। आयोग ने 1936 से लेकर 2019 तक के प्रमुख दंगों और सांप्रदायिक घटनाओं का विस्तृत उल्लेख करते हुए शहर को अत्यंत संवेदनशील बताया है। सवाल है कि अदालत के सर्वे के दौरान क्या व्यापक कदम उठाए जा सकते थे।

उपद्रवियों से होगी वसूली, दावा अधिकरण में जल्द होगी सुनवाई पूरी

बवाल के दौरान उपद्रवियों ने निजी व सरकारी संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचाया था। आम लोगों के साथ पुलिसकर्मियों के वाहन जला दिए थे। यह आगजनी पहले जामा मस्जिद के पिछले हिस्से की ओर की गई थी। जहां तीन कार व कई बाइकों को जलाया गया था। इसके बाद नखासा थाना क्षेत्र में हुसैनी रोड पर आगजनी की थी। करीब सवा करोड़ की संपत्तियों के नुकसान में वाहनों को आग लगाना और क्षतिग्रस्त करना शामिल था। एडीएम की अध्यक्षता में संपत्तियों के नुकसान के आकलन के लिए कमेटी गठित की गई थी। एक सप्ताह में आकलन रिपोर्ट डीएम को पेश की गई थी। अब यह मामला मेरठ में स्थित दावा अधिकरण में विचाराधीन है।
न्यायिक आयोग ने भी माना... 1978 के दंगे से पडा हिंदू आबादी पर बड़ा असर- सन 78 के संभल दंगे में झुलसे परिवार 48 साल गुजर जाने के बाद भी तब के जख्मों को भुला नहीं सके हैं। यही वजह है कि 24 नवंबर 2024 को संभल में हुए बवाल के बाद गठित न्यायिक जांच आयोग के समक्ष कुछ पीड़ित परिवारों ने अपनी बात भी रखी थी।

पुलिस-प्रशासन ने हालात संभाले

रिपोर्ट में पुलिस प्रशासन की सराहना भी की गई है। खासकर उस स्थिति में जब हिंसा भड़की थी और उपद्रवी हिंदू क्षेत्रों में घुसने की जद्दोजहद कर रहे थे। यहां पर पुलिस प्रशासन ने उनको आगे नहीं बढ़ने दिया था। आयोग ने स्पष्ट कहा है कि पुलिस प्रशासन ने हालात को ठीक तरह से काबू में किए थे।
ये सिफारिशें शामिल कीं : आयोग ने कई सिफारिशें की हैं। इसमें सोशल मीडिया की सख्त निगरानी, समुदायों में वार्ता करने, एलआईयू को मजबूत करने जैसे पहलू शामिल हैं। भविष्य में ऐसा न हो इसलिए इन सभी बिंदुओं पर ठोस कदम उठाने की सिफारिश की है। बर्क ने रिपोर्ट पर उठाए सवाल : सांसद एवं सपा नेता जियाउर्रहमान बर्क ने न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बवाल में जान हमारी गई और अपराधी भी हम ही साबित हो रहे हैं। बोले, न्यायिक जांच आयोग के गठन पर उम्मीद थी कि संभल के लोगों को न्याय मिलेगा लेकिन यह उम्मीद भी टूट गई। भाजपा सरकार में जो भी न्यायिक जांच आयोग गठित किए जाते हैं, वह इसी तरह की गलत रिपोर्ट तैयार देते हैं। पुलिस ने गोली चलाई थी। हमारे पांच निहत्थे भाइयों की जान ली गई थी। यह जुल्म की इंतेहा है। सौ से ज्यादा निर्दोष लोग जेल भेजे गए। इन लोगों के घरों में दूसरा कोई खाने कमाने वाला तक नहीं है। रंजिश में शामिल किए गए नाम : रामपुर के सांसद एवं सपा नेता मोहिबुल्ला नदवी ने कहा है कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल का नाम राजनीतिक रंजिश में शामिल किया गया है। नदवी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत की, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि संभल बवाल में पुलिस ने जो गोली चलाई थी, उसमें पांच लोगों की जान गई थी।

रिंग सेरेमनी में गोली लगने से घायल युवक की 11 दिन बाद मौत, पुलिस को नहीं थी जानकारी; परिजनों पर आरोप

वाराणसी , एजेंसी। शिवपुर थाना क्षेत्र के गिलट बाजार स्थित विश्वनाथ लॉन में 26 जुलाई को आयोजित रिंग सेरेमनी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से घायल 22 वर्षीय सौरभ सेठ की बृहस्पतिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि घटना के 11 दिन बाद पुलिस को इसकी जानकारी मिली। आरोप है कि परिजनों और आयोजन से जुड़े लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी थी। सौरभ मूल रूप से लोहता थाना क्षेत्र के कोरौता गांव का निवासी था। वर्तमान में उसका परिवार भोजूबीर स्थित किराये के मकान में रहता है। पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई की रात करीब 12 बजे विश्वनाथ लॉन में रिंग सेरेमनी के दौरान सौरभ के पेट के बाएं हिस्से में गोली लग गई। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। मौजूद दोस्तों और परिजनों ने उसे पहले मलदहिया स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलने पर लंका पुलिस ने शिवपुर पुलिस को मामले से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। मृतक के पिता पवन सेठ ने आरोप लगाया कि गिलट बाजार निवासी एक युवक की गोली से उनके बेटे को चोट लगी थी। उनका कहना है कि आयोजन से जुड़े लोग और बेटे के दोस्त ही इलाज करा रहे थे, इसलिए उन्हें विश्वास था कि वह स्वस्थ होकर घर लौट आएगा। अब शिवपुर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोली किसने चलाई, फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई और इस्तेमाल किया गया हथियार लाइसेंसी था या अवैध। पूछताछ के लिए पुलिस ने लॉन संचालक, कर्मचारियों और मृतक के एक दोस्त को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है।

डेढ़ घंटे तक नहीं आई 108 एंबुलेंस

पिता की गोद में बेटे की मौत; 10 मिनट में पहुंचने का देते रहे आश्वासन

वाराणसी , एजेंसी। आजमगढ़। सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की सुस्ती ने एक मासूम की जिंदगी छीन ली। मऊ जिले के रानीपुर फतेहपुर निवासी अंश (11) को समय पर 108 एंबुलेंस न मिलने के कारण इलाज के लिए वाराणसी नहीं पहुंचाया जा सका और रास्ते में पिता की गोद में ही उसने अंतिम सांस ले ली।
इस घटना ने एक बार फिर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित पिता अमित के अनुसार, बुधवार शाम अंश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे पहले चिरैयाकोट के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज, चक्रपानपुर ले जाने की सलाह दी।
मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्चे को तत्काल वेंटिलेटर की जरूरत है, लेकिन वहां कोई वेंटिलेटर खाली नहीं था। इसके बाद उसे बीएचयू, वाराणसी रेफर कर दिया गया।
अंश के पिता ने तुरंत बाद 108 एंबुलेंस सेवा पर कॉल किया।

समय से मिल जाता इलाज तो बच सकती थी जान

मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक कृष्णकांत ने बताया कि बच्चे के फेफड़े में पानी जमा हो गया था। उसकी हालत गंभीर थी। इसके लिए बीएचयू में भी बात की गई थी। परिजन एंबुलेंस के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। पीड़ित के पिता अमित ने आरोप लगाया कि अगर समय से एंबुलेंस मिल गई होती तो शायद बेटा बीएचयू पहुंच जाता और आज मेरा बेटा मेरे साथ होता। डेढ़ घंटे तक सरकारी एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। उधर, 108 नंबर के प्रभारी अजय ने बताया कि जिले में 108 एंबुलेंस का औसत रिस्पांस टाइम सात मिनट है। बुधवार की रात पहला फोन रात 9:09 बजे आया था। रात 9:45 बजे एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज पहुंच गई थी और मरीज को ले जाने के लिए तैयार थी।
राजकीय मेडिकल कॉलेज से प्रतिदिन 15 से 16 मरीज रेफर होते हैं। मेडिकल कॉलेज में दो से तीन एंबुलेंस लगाई गई हैं। इनमें कई वाहन रेफर मरीजों को ले जाने में व्यस्त रहते हैं। - सुमित सिंह, 108 रीजनल मैनेजर।
रात में एक एंबुलेंस बीएचयू मरीज लेकर गई थी। दूसरी तरवां से मरीज लेकर मेडिकल कॉलेज आ रही थी। उसके चालक ने बताया था कि जैसे ही वह वहां पहुंचेगा, मरीज को लेकर फिर वाराणसी के लिए निकल जाएगा।

15 साल में तीसरी बार, 100 मिमी से ज्यादा बारिश, रिकॉर्ड से 65 मिमी कम; बाढ़ की संभावना

वाराणसी , एजेंसी। काशी में एक ही दिन में बारिश के आंकड़े का शतक पूरा हो गया, जबकि पूरे मानसूनी सीजन में बारिश का आंकड़ा 300 मिमी के पार पहुंच गया। बुधवार से बृहस्पतिवार तक 24 घंटे में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं जून से अब तक कुल 300 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इससे मानसूनी बारिश का घाटा 50 फीसदी से घटकर 29 फीसदी रह गया है। बृहस्पतिवार को तीन से चार घंटे के दौरान काशी में सबसे अधिक 100 मिमी बारिश हरहुआ में दर्ज की गई। बीते 15 वर्षों में यह तीसरी बार है, जब बनारस में एक दिन में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। वहीं अगस्त महीने में एक दिन में सबसे अधिक 165 मिमी बारिश का ऑल टाइम रिकॉर्ड 12 अगस्त 1987 को दर्ज किया गया था। इसके अलावा पिछले वर्ष अगस्त में एक दिन में 161 मिमी और वर्ष 2020 में 103 मिमी बारिश हुई थी। बारिश का असर शहर के तापमान पर भी पड़ा। अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। यानी अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच केवल 3.8 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा।

95 फीसदी रही हवा में नमी

काशी में मंगलवार तक बारिश में 50 फीसदी की कमी थी, जो अब घटकर 29 फीसदी रह गई है। बुधवार देर रात से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला बृहस्पतिवार दोपहर तक जारी रहा। इस दौरान सुबह दो से तीन घंटे तक कभी रिमझिम बारिश हुई तो कभी कुछ देर के लिए बारिश थम गई।
यह इस मानसून सीजन की सबसे अच्छी बारिश रही। हवा 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हवा में नमी 90 से 95 फीसदी तक दर्ज की गई। कई स्थानों पर सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया, जबकि सुंदरपुर के पास स्ट्रीट लाइट का एक पोल भी गिर गया।
अगले तीन से चार दिन बारिश के प्रबल आसार- यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, काशी में अगले तीन से चार दिनों तक बारिश की संभावना बनी हुई है। आठ अगस्त के लिए भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है।

सावधान! कहीं आपके आटे में तो नहीं मिल रहा पत्थर का चूरा? दो मिनट में घर पर ऐसे करें पहचान

आगरा, एजेंसी। खाने-पीने की चीजों में मिलावट करने वाले माफिया अब दाम बढ़ने की वजह से आटा में सेलम पाउडर मिलाकर उसे बाजार में खपा रहे हैं। चिकित्सक बताते हैं कि ज्यादा समय तक इसका उपयोग करने पर पेट के कई रोग हो सकते हैं। आगरा में भी अब तक करीब 30 आटा मिलों की जांच की गई, जिसमें टीमों ने 35 से अधिक नमूने जांच के लिए लैब भेजे हैं। खाद्य विभाग एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने शिकायत मिलने पर प्रदेशभर में आटा मिलों की जांच के निर्देश दिए हैं। बीते सप्ताह से चल रही कार्रवाई के बीच मंडल के जिले फिरोजाबाद में मंगलवार शाम सेलम पाउडर मिलाकर आटे की बिक्री का खेल पकड़ा गया। इस खेल ने आगरा में आटा मिलों की जांच कर रही टीमों की चिंता बढ़ा दी। बुधवार को बसई खुर्द इरादतनगर स्थित श्याम भोग एंटरप्राइजेज में श्याम भोग ब्रांड का 1496 किलो आटा सील किया गया। बृहस्पतिवार को भी रात तक कार्रवाई चलती रही। इस दौरान कई जगह आटा गंदगी के बीच बनते दिखे। रखरखाव भी बेहतर नहीं मिला। बता दें कि फिरोजाबाद के रजावली के गांव रामनगर स्थित शिवाय ट्रेडिंग कंपनी आटा मिल में 30 किलो सेलम बरामद हुई है। इसको आटे में मिलाकर राज रसोई प्रीमियम ब्रांड की पैकिंग की जा रही थी। टीम ने ब्रांड के 10-10 किलो के 42 पैकेट और सेलम सील की है। सहायक आयुक्त खाद्य महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सेलम मिलाकर आटे की बिक्री की शिकायत पर मुख्यालय स्तर से जांच की जा रही है। आगरा में टीम ने करीब 30 आटा निर्माण इकाइयों में 35 से अधिक नमूने लिए हैं। जांच में फेल मिलने पर कानूनी कार्रवाई भी होगी।
चमक के लिए मिलाते हैं सेलम- सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि संचालक सेलम के उपयोग की सही जानकारी नहीं दे रहे थे। ये कीड़ों से अनाज को बचाने तो कभी प्लास्टिक की बोरियों को चिकना करने (आटा बाहर निकलने से रोकने) के लिए इसके उपयोग की बात बताते हैं। मजदूरों से सख्ती से पूछने पर पता चला कि घटिया और खराब गेहूं पीसकर आटा बनाते हैं। इससे आटे में हल्का कालापन आ जाता है। उसे सफेद-चमकदार बनाने के लिए सेलम खड़िया का उपयोग करते हैं।
ऐसे करें पहचान- खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि कटोरी में आटा लें और उसमें नींबू की कुछ बूंद डाल दें। बुलबुले उठने लगे तो मिलावट है। ऐसे ही गिलास में पानी भरें और आटा डालकर चम्मच से मिलाएं। तली में बैठ जाए तो मिलावटी है। तीसरा तरीका यह है कि हथेली पर आटा रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदरा लगेगा, असामान्य चिकनाहट हो तो मिलावट है।

महिला मित्र का विरोध करने पर बर्बरता, एसआई ने पत्नी को जबड़ा तोड़ा, चलती कार से धक्का दिया

कानपुर, एजेंसी। कानपुर कमिश्नरी के दक्षिण जोन के एक थाने में तैनात एसआई के खिलाफ उसकी पत्नी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है। महिला का आरोप है कि पति का महिला मित्र से संबंधों का विरोध करने पर पति ने बेरहमी से पिटाई की। दो जगह से जबड़ा तोड़ दिया। एक अन्य घटना में चलती कार से धक्का देकर जान लेने की कोशिश की। पीड़िता ने दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और जान से मारने की कोशिश समेत गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर को प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि पति ने उनसे इसलिए शादी की थी क्योंकि उनके पत्र पर उच्चाधिकारियों का एफआईआर दर्ज करने का आदेश था। आरोप है कि शादी के बाद उसे लगातार प्रताड़ित किया गया लेकिन जब उसने पति के महिला मित्रों से संबंधों का विरोध किया तो पति ने हिंसा की सारी हदें पार कर दीं। पहले उसका मोबाइल तोड़ दिया गया फिर अपना मोबाइल भी क्षतिग्रस्त कर दिया ताकि कोई सबूत न बच सके। इसके बाद जबड़ा तोड़ दिया।

दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट के बीच बारिश, आईएमडी ने बताया दिनभर कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश हो रही है। हालांकि, सुबह रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही थी। एनसीआर में 2-3 दिन से लगातार बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। उधर, मौसम विभाग ने आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। गुरुग्राम में 48 घंटे में 120.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। गुरुग्राम में शुक्रवार सुबह से ही बारिश हो रही है। बारिश होने से कई मार्गों पर अभी भी जलभराव हुआ है। घने बादलों के बीच आज भी दिनभर वर्षा की संभावना जताई गई है। वहीं, बृहस्पतिवार को दिल्ली में मध्यम से भारी वर्षा ने उमस से राहत दी और तापमान में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि जलभराव और जाम की स्थिति भी बनी। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और 10 अगस्त तक वर्षा जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार (6 अगस्त) इस साल अगस्त के सबसे ठंडे दिन के रूप में दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखी गई है, जिससे मौसम खुशनुमा बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और मध्यम से भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी के लिए ''येलो अलर्ट'' जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मानसून ट्रफ के सक्रिय होने से 10 अगस्त तक दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर तेज वर्षा का दौर जारी रह सकता है।

अमर कॉलोनी के रेस्तरां में किशोर की हत्या मामले में नया मोड़, नाबालिग पर चलेगा बालिग की तरह मुकदमा

नईदिल्ली, एजेंसी। अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में 26 मई को नाबालिग किशोर की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने 16 वर्षीय किशोर आरोपित के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में पुलिस इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट (पीआईआर) दाखिल की है।

आरोपित किशोर पर एक बालिग की तरह हत्या का मुकदमा चलाने के लिए जुवेनाइल बोर्ड में अर्जी भी दी है। रिपोर्ट में पुलिस ने अमर कालोनी थाना क्षेत्र स्थित रेस्तरां में 17 वर्षीय किशोर के सिर में गोली मारे जाने की घटना से ठीक पहले हुए विवाद का ब्योरा दिया है। मुख्य चश्मदीद गवाह मृतक की 16 साल की महिला दोस्त है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पीआईआर 30 जुलाई को दाखिल हुई है। पुलिस को दिए बयान में चश्मदीद ने बताया कि 26 मई को वह शाम करीब 6:30 बजे विक्रम विहार में एक सहपाठी से मिलने गई थी। साई कुमार भी उनके साथ था। दोस्त के घर पर कुछ समय बिताने के बाद वह साई कुमार के साथ अमर कालोनी स्थित एक रेस्तरां में चले गए, जबकि उनका सहपाठी जिम चला गया। उन्होंने खाना ऑर्डर किया और खा ही रहे थे कि शाम करीब 7:30 बजे तीन अनजान लड़के उनकी टेबल के पास आए। महिला मित्र के

मुताबिक, उनमें से एक पास रखी खाली कुर्सी के साथ छेड़छाड़ करने लगा। जब साई कुमार ने विरोध किया तो उसने गालियां दीं और धमकाया। हालात बिगड़ते देख साई ने उसे जल्दी खाना खत्म करने को कहा ताकि वे वहां से जा सकें। तीनों लड़के थोड़ी देर के लिए वहां से चले गए, पर कुछ ही देर बाद वापस आ गए। चश्मदीद गवाह के मुताबिक उनमें से एक लड़का पीछे से आया और जान से मारने की नीयत से साई कुमार के सिर के पिछले हिस्से में गोली मार दी। जब रेस्तरां में मौजूद लोगों ने हमलावरों को रोकने की कोशिश की, तो तीनों ने कथित तौर पर हथियार दिखाए और मौके से भाग गए। घायल को फौरन मूलचंद अस्पताल जाया गया, जहां वह बेहोश हो गया। उपचार के बावजूद कुछ दिनों बाद उसकी मौत हो गई। गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां के बाहर एक टेबल पर 7.65 एमएम का चला हुआ कारतूस का खोल मिला। साथ ही घटनास्थल के पास खून का बड़ा धब्बा भी मिला। जांच के दौरान पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग को पकड़ा और आरोप लगाया कि उसी ने गोली चलाई थी। मामले में दो और संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया गया है। शुरुआत में बीएनएस की धारा 109 (हत्या की कोशिश) और 3(5) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआइआर दर्ज की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कालकाजी फ्लाईओवर की दूसरी लेन का निर्माण शुरू, 30 दिन तक प्रभावित रहेगा यातायात

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में आउटर रिंग रोड पर कालकाजी फ्लाईओवर की दूसरी लेन के निर्माण का काम शुरू हो गया है। ओखला एनएसआइसी मेट्रो स्टेशन के सामने आउटर रिंग रोड पर बैरिकेडिंग कर पिलर के लिए खोदाई की जा रही है। करीब 30 फीट लंबाई और 20 फीट चौड़ाई में बैरिकेड लगा होने से सड़क संकरी हो गई है। इसके चलते अब नेहरू प्लेस से मोदी मिल आने-जाने वाले लेन पर जाम भी लगने लगा है। गावर कंस्ट्रक्शन को इसका काम अगले 30 महीने में पूरा करना है। मई में ही मिट्टी की जांच और भू-तकनीकी सर्वे किया गया था। निर्माण सामग्री रखने के लिए स्थान उपलब्ध न होने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा था। अब कालकाजी फ्लाईओवर के पास निर्माण सामग्री आने के साथ ही काम भी शुरू कर दिया गया है। पिछले महीने ही पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिसंबर 2025 में मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवर से जोड़ने के काम को मंजूरी मिली थी। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बावजूद खाली स्थान की कमी के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। कालकाजी के साथ ही सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर की दूसरे लेन के लिए लगभग 412 करोड़ रुपये की यह परियोजना दक्षिणी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या को कम करने में कारगर साबित हो सकती है।

रानी गार्डन में डीडीए का बुलडोजर एक्शन, 50 अवैध झुग्गियां और नर्सरी ध्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। रानी गार्डन में दो दिनों तक डीडीए ने बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बसी 50 झुग्गियों व नर्सरी को धवस्त कर दिया। अवैध रूप से बनी पार्किंग को भी हटा दिया गया है। इस जमीन पर वर्षों से लोगों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ था। कड़कड़डूमा कोर्ट ने इस जमीन पर स्टे लगाया हुआ था। स्टे हटते ही डीडीए ने जिला प्रशासन व दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया। करीब तीन बीघा जमीन को खाली करवाया गया है। डीडीए ने इस जमीन पर अपने विभाग के बोर्ड लगा दिए हैं। एसडीएम गांधी नगर जितेंद्र सिंह ने बताया कि डीडीए की करोड़ों रुपये की जमीन पर लोगों ने कब्जा किया हुआ था। कड़कड़डूमा कोर्ट से स्टे हटते ही डीडीए ने बुधवार व बृहस्पतिवार दो दिनों तक यहां कार्रवाई की। बुलडोजर के जरिये अवैध झुग्गियों को हटाया। अवैध पार्किंग को हटाया गया।
अवैध नर्सरी को भी हटा दिया गया है। जमीन पर जगह-जगह मशीनों की मदद से गढ्डे कर दिए हैं। पूरी तरीके से डीडीए ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया है। किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए पुलिस तैनात की गई है। कुछ ही दिनों में डीडीए रानी गार्डन में दूसरी जमीन पर कार्रवाई करेगा।

15 अगस्त से पहले आईएसआई की बड़ी साजिश नाकाम

पुलिस की वर्दी में जंतर-मंतर पर दहलाने की थी प्लानिंग; 12 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले देश को दहलाने की पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के एक बड़े और बहु-स्तरीय नापाक मंसूबे का भंडाफोड़ हुआ है। हाल के दिनों में पंजाब, बंगाल और दिल्ली से जुड़े चार शहरों अमृतसर, तरनतारन, वर्धमान और दिल्ली से 12 संदिग्धों (चार नाबालिग शामिल) की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हो गई है।

इनसे पूछताछ में सामने आया है कि आतंकी दिल्ली के संवेदनशील इलाकों, विशेषकर काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी में वारदात करने की फिराक में थे। चार राज्यों और राजधानी में सक्रिय इन आतंकी माड्यूल के सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस व केंद्रीय सुरक्षा बलों समेत तमाम केंद्रीय एजेंसियां 24 घंटे सतर्कता बरतते हुए ''जी-जान'' से सुरक्षा तैयारियों में जुट गई हैं। स्पेशल सेल के एक अधिकारी का कहना है कि सीमा पार से बैठे आइएसआइ हैंडलर्स, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी और पाकिस्तान इंटेलिजेंस आपरेटिव्स अलग-अलग राज्यों में स्थानीय गुर्गों के माध्यम से सुनियोजित जासूसी और आतंकी नेटवर्क चला रहे थे।

बंगाल के वर्धमान थाने में 31 जुलाई को दर्ज एफआइआर और दिल्ली से मिले इनपुट के आधार पर गिरफ्तार मोहम्मद हमीम मंडल उर्फ हमीम फुएगो (बर्धमान) और अर्पिता (झारखंड) पाकिस्तान स्थित आतंकियों और आएएसआइ आपरेटिव्स के लगातार संपर्क में थे।

आर्तकियों की योजना पुलिस की वर्दी पहनकर जंतर-मंतर पर चल रहे काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों में शामिल होने और वहां हमला करने की थी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर भारी तबाही मचाई जा सके।

अर्पिता को बंगाल में मुख्यमंत्री के दफ्तर तक पहुंच बनाने और हनी ट्रैप के जरिए वीवीआइपी नेताओं की रेकी व हत्या का टास्क सौंपा गया था। एफआइआर में पाकिस्तान, अमेरिका, ब्रिटेन और मैक्सिको

के कई फर्जी वाट्सएप नंबरों और एक्स अकाउंट्स का जिक्र है, जिनके जरिए राणा, जाहिर, आबिद और हामिद जैसे हैंडलर्स निर्देश दे रहे थे। अमृतसर पुलिस ने सीमा पार से संचालित दो आतंकी माड्यूलों का भंडाफोड़ कर चार नाबालिगों समेत नौ आतंकियों को दबेचा। पंजाब पुलिस की जांच में सामने आया कि यह समूह पहले भी जंतर-मंतर तक पहुंचा था, जहां स्थानीय सपोर्ट और मटेरियल उपलब्ध कराई गई थी। हालांकि, वे तब भी अंजाम नहीं दे सके थे। तरनतारन पुलिस और बीएसएफ के संयुक्त आपरेशन में गांव वां तारा सिंह से मंजीत सिंह को गिरफ्तार कर हथियारों का भारी जखीरा जब्त किया गया। एक आतंकी के मोबाइल से पाकिस्तान के 12 नंबर मिले हैं, जिनमें दो नंबर ''चाचा'' और ''रहमान'' नाम के कोड वर्ड से सेव थे। आर्तकियों से बरामद कई आधुनिक विदेशी हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगाए गए थे, जिनका इस्तेमाल गैंग्सटरों और पाकिस्तान इंटेलिजेंस आपरेटिव्स द्वारा 15 अगस्त से पहले टारगेट किलिंग और देश में अस्थिरता फैलाने के लिए किया जाना था। चार राज्यों में फैले इस नेटवर्क का पर्दाफाश होने के बाद राजधानी में स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बना दिया गया है।

पुलिस की वर्दी पहनकर हमले के इनपुट को देखते हुए लाल किला, जंतर-मंतर और संसद भवन के आसपास तैनात सभी पुलिसकर्मियों और सुरक्षा कर्मियों का क्यूआर-कोड-आधारित और बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा है। जंतर-मंतर, नई दिल्ली ज़ोन और राजनीतिक संस्थानों के आसपास त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (एनएसजी व स्वाट व कमांडो) को तैनात किया गया है।

छात्र ने स्कूल में बरसाईं गोलियां, दो की मौत और 15 घायल; फिर खुद की आत्महत्या

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को गोलीबारी हुई। इसमें कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। वहीं, कम से कम 15 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार यह घटना थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके में स्थित नोनथाबुरी जिले के देबसिरिन स्कूल में हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक छात्र ने स्कूल में गोलीबारी की, जिसके बाद छात्र और शिक्षक भागने लगे और आपातकालीन बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे हुई, जब पोह टेक तुंग फाउंडेशन के स्वयंसेवकों को प्रसिद्ध माध्यमिक विद्यालय के अंदर गोलीबारी की सूचना मिली।

कितने लोगों की मौत की पुष्टि

हालांकि अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है, लेकिन द बैंकॉक पोस्ट और थाई एनक्वायरर की रिपोर्टों में कहा गया है कि कम से कम दो मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इस बीच, पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि हमलावर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

सुरक्षाकर्मियों ने जनता से क्या अपील की: आपातकालीन कर्मचारियों द्वारा प्रसारित तस्वीरों में, एम्बुलेंस के

घटनास्थल पर पहुंचने के साथ ही छात्र स्कूल से बाहर निकलते हुए दिखाई दिए। घटना का लाइव प्रसारण भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और सुरक्षाकर्मियों ने जनता से घटना का लाइव प्रसारण न करने का अनुरोध किया है। यह घटना फरवरी में हुई एक स्कूल गोलीबारी में एक शिक्षक की मौत और एक छात्र के घायल होने के कुछ महीनों बाद हुई है। फरवरी में हुई घटना में, हमलावर की पहचान 18 वर्षीय युवक के रूप में हुई, जिसने सोंगखला प्रांत के फातोंग प्रथान खिरीवत स्कूल में गोलीबारी की थी। इस घटना के दौरान छात्रों और शिक्षकों को भी बंधक बना लिया गया था, लेकिन पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उन्हें छुड़ा लिया गया। थाईलैंड में इस क्षेत्र में बंदूक रखने की दर सबसे अधिक है, जहां अनुमानित तौर पर लगभग 10 मिलियन आग्नेयास्त्र प्रचलन में हैं, जो प्रति सात निवासियों पर एक के बराबर है। बंदूक कानूनों को सख्त करने के पूर्व वादे देश में बार-बार होने वाली गोलीबारी की घटनाओं को रोकने में विफल रहे।

सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों का बड़ा हमला, 4 साल के बच्चे समेत 11 घायल

रियाद, एजेंसी। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी प्रांत नजरान में बड़ा हमला किया। इस हमले में एक 4 वर्षीय बच्चे समेत 11 नागरिक घायल हो गए हैं।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए चेतावनी दी है कि ईरान समर्थित हूती और इराकी लड़ाके सऊदी अरब के नागरिक ठिकानों और ऊर्जा ढांचों पर हमले कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन

गठबंधन सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मल्की ने हूतियों पर अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करते हुए जानबूझकर नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि गठबंधन आम लोगों की सुरक्षा के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाता रहेगा।

7 सऊदी, 1 यमन, 2 मिस्र और 1 पाकिस्तानी नागरिक घायल सऊदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के अनुसार, गुरुवार देर रात हूती विद्रोहियों की तरफ से नजरान प्रांत के रिहायशी इलाकों में अंधाधुंध प्रोजेक्टाइल दागे गए।

इस हमले में 7 सऊदी नागरिक, एक यमनी, दो मिस्र के और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हो गए। सऊदी नागरिकों में एक महिला और चार साल का बच्चा भी शामिल है। गठबंधन के बयान पर हूतियों या ईरान की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, क्योंकि ईरान के साथ पांच महीने से चल रहे अमेरिका-इजरायल युद्ध ने सऊदी अरब के सिक्योरिटी कैलकुलेशन को मुश्किल बना दिया है। एक वरिष्ठ सऊदी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सऊदी अरब, अमेरिका और अन्य मध्य-पूर्वी देशों की खुफिया रिपोर्टों से जानकारी मिली है कि यमन के हूती और इराकी लड़ाके (मिलिशिया) जल्द ही सऊदी अरब पर मिलकर बड़ा हमला कर सकते हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की देखरेख में होने वाले इन संभावित हमलों में ऊर्जा संयंत्रों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसे सऊदी अरब के नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

जन्म से मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता पर डोनाल्ड ट्रंप का नया वार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को सीमित करने और 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक लगाने के लिए गुरुवार को दो नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ट्रंप के पहले आदेश को खारिज कर दिया था।

क्या है पहला आदेश: पहले आदेश का उद्देश्य उन लोगों पर कार्रवाई करना है जो केवल बच्चे को अमेरिका में जन्म दिलाने के लिए वहां आते हैं। इसे 'बर्थ टूरिज्म' कहा जाता है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ऐसे लोग पर्यटन वीजा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि उनका असली मकसद बच्चे को अमेरिका में जन्म देकर उसे अमेरिकी नागरिक बनवाना होता है।

दूसरे आदेश में क्या है: दूसरे आदेश में उन लोगों की श्रेणियों का दायरा बढ़ाया गया है, जिन्हें जन्म के आधार पर नागरिकता के लिए अयोग्य माना जाएगा। इसमें विदेशी सरकारों के लिए काम करने वाले या उनकी ओर से लॉबिंग करने वाले लोगों के बच्चों समेत कुछ अन्य श्रेणियां शामिल की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले आदेश को किया था खारिज: 30 जून को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के

पहले कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 100 वर्षों से चली आ रही संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिलती है। ओवल ऑफिस में आदेशों पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण था और उनकी सरकार अब उसमें जरूरी बदलाव कर रही है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट का जन्मसिद्ध नागरिकता पर फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। इसलिए हम इसमें आवश्यक बदलाव कर रहे हैं'। अमेरिकी संविधान का 14वां संशोधन, जिसे 9 जुलाई 1868 को लागू किया गया था, अमेरिका में जन्म लेने या नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को अमेरिकी नागरिक मानता है। यह प्रावधान गृहयुद्ध के बाद पूर्व गुलामों को नागरिकता देने के लिए लाया गया था। ट्रंप ने कहा कि यह कानून उस समय की जरूरत के लिए बनाया गया था, लेकिन अब कुछ लोग इसका गलत फायदा उठाकर 'बर्थ टूरिज्म' का कारोबार चला रहे हैं। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि कई लोग पर्यटक बनकर अमेरिका आते हैं, लेकिन उनका असली उद्देश्य बच्चे को अमेरिका में जन्म दिलाना होता है ताकि उसे स्वतः नागरिकता मिल जाए। उनके अनुसार, इससे ऐसे परिवारों को भविष्य में सरकारी योजनाओं, अन्य सुविधाओं और नागरिक अधिकारों तक पहुंच मिल जाती है। नए आदेश के अनुसार कुछ श्रेणियों के लोगों के बच्चों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इनमें शामिल हैं: बर्थ टूरिज्म के जरिए अमेरिका पहुंचने वाले लोगों के बच्चे। आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों के बच्चे। विदेशी सरकारों के कर्मचारियों के बच्चे। कुछ अमेरिकी क्षेत्रों में जन्मे ऐसे बच्चे, जहां संघीय कानून के तहत स्वतः नागरिकता नहीं मिलती। आव्रजन कानून के विशेषज्ञों ने राष्ट्रपति ट्रंप के नए आदेशों का विरोध किया है। न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन वकील साइरस मेहता ने कहा कि यह आदेश अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक लेन-देन जैसी परिभाषा बहुत अस्पष्ट है और इसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। वहीं, अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जन्मसिद्ध नागरिकता संविधान द्वारा सुरक्षित अधिकार है। ऐसे में ट्रंप का नया आदेश भी अदालत में टिकना मुश्किल होगा। माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट के अनुसार, हर साल अमेरिका में 'बर्थ टूरिज्म' के जरिए करीब 22,000 से 26,000 बच्चों का जन्म होने का अनुमान है। हालांकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में विदेशी पते वाली माताओं से 9,600 बच्चों का जन्म अमेरिका में दर्ज किया गया था।

संपादकीय | हवाई सफर की सुरक्षा हादसों के बाद ही याद आती है?

देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों के निर्माण में प्रगति हुई है। इसके साथ ही विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है। मगर इसी तर्ज पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। कभी तकनीकी खराबी, सतर्कता की कमी, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं।

ऐसी ही एक घटना बीते मंगलवार को हुई, जब थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान वायुमंडलीय अस्थिरता यानी टर्बुलेंस के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग तीन सौ फुट नीचे आ गया, जिससे सत्रह यात्री घायल हो गए। हालांकि, बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। सवाल है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

यह सच है कि हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय

नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, करीब पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारण होती है।

एअर इंडिया का जो विमान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण असंतुलित हुआ, उसमें 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। अगर पायलट के समझने में थोड़ी सी भी चूक होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर क्या वजह है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तकनीकी रूप से मानक संचालन प्रक्रिया में सुधार नहीं हो पाया है?

सवाल यह भी है कि इस घटना के दौरान खराब मौसम की स्थिति में संभावित वायुमंडलीय अस्थिरता के बारे में चालक दल की ओर से यात्रियों को पहले से सचेत करने की सामान्य मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं? अगर यात्रियों को समय रहते सतर्क कर दिया जाए, तो विमान में मौजूद सुरक्षात्मक उपायों के इस्तेमाल से उनके हताहत होने की संभावना कम होती है। नागर विमानन महानिदेशालय इस घटना की जांच कर रहा है, लेकिन यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या इस जांच के नतीजे से सबक लेकर भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर ध्यान दिया जाएगा या फिर इसे भी संबंधित हादसे तक ही सीमित रखा जाएगा? हालांकि, विमान हादसों की जांच और विश्लेषण की प्रक्रिया में समूचे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया की विमान दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट एक साल बाद भी सामने नहीं आई है। इससे साफ है कि अगर किसी विमान हादसे की जांच रिपोर्ट आने में ही इतना लंबा वक्त लग जाए, तो यात्रियों के सुरक्षित सफर की स्थिति क्या होगी, इसका आकलन करना मुश्किल नहीं है।

पंजाब में आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश

सरकार का दावा है कि देश में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है, मगर हकीकत इससे कहीं अलग नजर आती है। सीमा पार से आतंकवाद भारत की सुरक्षा और शांति के लिए आज भी चुनौती बना हुआ है। विदेशी धरती से संचालित होने वाले आतंकी संगठन घुसपैठ से लेकर हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मौके की तलाश में रहते हैं। आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने की उनकी साजिश कई परतों में दिखाई देती है। पंजाब पुलिस ने बीते मंगलवार को दो आतंकी तंत्रों का भंडाफोड़ कर चार नाबालिगों समेत नौ लोगों को पकड़ा है। पुलिस का दावा है कि ये सभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे

थे। साथ ही यह खुलासा भी हुआ है कि आरोपी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। पुलिस भले ही इसे अपनी कामयाबी के तौर पर देख रही हो, लेकिन इससे सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर इन आतंकी तंत्रों की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई? पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आतंकियों के इस गिरोह ने पंजाब में कई जगह रेल पटरियों के पास निगरानी कैमरे लगाए थे। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन कैमरों से ली गई तस्वीरें सीमा पार बैठे आकाओं को भेजी जाती थीं। हाल के दिनों में पंजाब में रेल पटरियों पर धमाके की कई घटनाएं हुई हैं और अब उन्हें भी आतंकियों की इसी तरह की साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत इस बात की है कि आतंकी गिरोह के सदस्य कैमरे लगाकर रेल पटरियों की नियमित निगरानी कर रहे थे और पुलिस एवं खुफिया एजेंसियों को इसकी जरा भी भनक नहीं लग पाई। यही नहीं, पुलिस का दावा है कि पकड़े गए आतंकी पिछले दिनों विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान पेट्रोल बम बनाने का सामान लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गए थे। इसे सुरक्षा में लापरवाही नहीं, तो और क्या कहा जाएगा? प्रदर्शन के दौरान आतंकी अगर अपने मंसूबे में कामयाब हो जाते, तो किस तरह की स्थिति पैदा हो सकती थी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

आज का कार्टून

राष्ट्रमंडल खेल 2026: चुनौतियों के बीच चमका भारत

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों ने भारत को यह विश्वास अवश्य दिलाया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, भारतीय खिलाड़ी हर मंच पर देश का गौरव बढ़ाने का सामर्थ्य रखते हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन उपलब्धियों को अंतिम लक्ष्य न मानकर उन्हें ओलंपिक और वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाए। जिन खेलों में भारत विश्वस्तरीय शक्ति बन चुका है, उन्हें और सशक्त किया जाए तथा एथलेटिक्स, तैराकी, जिम्नास्टिक और अन्य ओलंपिक खेलों में भी दीर्घकालिक निवेश बढ़ाया जाए। यदि भारत अपनी खेल नीतियों में निरंतरता बनाए रखता है, खिलाड़ियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, विश्वस्तरीय सुविधाएं और दीर्घकालिक समर्थन उपलब्ध कराता है तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्रमंडल ही नहीं, ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी भारत पदक तालिका के शीर्ष देशों में नियमित रूप से दिखाई देगा।

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रमंडल खेल केवल पदकों की प्रतियोगिता नहीं बल्कि किसी देश की खेल संस्कृति, प्रतिभा विकास, खेल विज्ञान, प्रशिक्षण व्यवस्था और दीर्घकालिक खेल नीति का दर्पण भी होते हैं। ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों का समापन भारत के लिए अनेक उपलब्धियों, कुछ अधूरी अपेक्षाओं और भविष्य की नई संभावनाओं के साथ हुआ। भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार प्रतियोगिता के कार्यक्रम में निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस इत्यादि भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल ही नहीं थे। इन खेलों में भारत सामान्यतः बड़ी संख्या में पदक जीतता रहा है। ऐसे में सीमित अवसरों के बावजूद चौथा स्थान बनाए रखना भारतीय खिलाड़ियों की क्षमता और जुझारूपन का प्रमाण है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदक जीतकर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे तथा कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड भी 39 पदकों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहा। भारत और स्कॉटलैंड के कुल पदक समान रहे लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा।

यदि पिछले राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन की तुलना करें तो एक दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। वर्ष 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य सहित कुल 66 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया था। उस प्रतियोगिता में निशानेबाजी ने अकेले 16 पदक दिलाकर भारत की सफलता में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और कुश्ती में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। 2022 में इंग्लैंड के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 61 पदक जीतकर चौथा स्थान प्राप्त किया था। तब कुश्ती में भारत के सभी 12 पहलवानों ने पदक जीतकर इतिहास रचा था जबकि भारोत्तोलन और टेबल टेनिस में भी भारतीय खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की थी। इन दोनों आयोजनों की तुलना में 2026 के ग्लासगो खेलों में भारत के कुल पदकों की संख्या घटकर 39 रह गई। पहली दृष्टि में यह गिरावट चिंताजनक लग सकती है किंतु यदि प्रतियोगिता के कार्यक्रम का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि भारत के अनेक पदक संभावित खेल इस बार आयोजित ही नहीं किए गए। इसलिए केवल पदकों की संख्या के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। वास्तव में भारत ने उपलब्ध अवसरों का काफी प्रभावी उपयोग किया और जिन खेलों में उसने भाग लिया, उनमें उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

इस बार भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ अभियान चलाया। भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल दस पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। महिला मुक्केबाजों ने विशेष रूप से प्रभावित किया। जैस्मीन लम्बोरिया, प्रिया घनघस, साक्षी चौधरी और प्रीति पवार जैसी युवा खिलाड़ियों ने यह संकेत दिया कि भारतीय महिला मुक्केबाजी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन स्वर्ण से भले चूक गई लेकिन उनका अनुभव और प्रदर्शन भारतीय मुक्केबाजी की मजबूती का प्रमाण बना रहा। पुरुष वर्ग में भी सचिन सिवाच और अंकुश सहित अन्य मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की पदक संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय मुक्केबाजी अब केवल कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही बल्कि उसके पास प्रतिभाओं की व्यापक श्रृंखला तैयार हो चुकी है।

भारोत्तोलन ने भी भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखी। पिछले एक दशक में इस खेल में भारतीय खिलाड़ियों ने

निरंतर प्रगति की है। ग्लासगो में भी उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित किया कि विश्व स्तर पर भारत अब एक मजबूत शक्ति बन चुका है। जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया और कई महत्वपूर्ण पदक जीतकर यह संदेश दिया कि यह खेल भी भारत में तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि जूडो खिलाड़ी तूलिका मान का डोपिंग रोधी नियमों के अंतर्गत तीन बार 'वेयरअबाउट्स' संबंधी जानकारी देने में विफल रहने के कारण अस्थायी निलंबन और प्रतियोगिता से बाहर होना भारतीय दल के लिए एक बड़ा झटका था। यह घटना बताती है कि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में केवल खेल कौशल ही नहीं, डोपिंग रोधी नियमों के प्रति पूर्ण जागरूकता और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन इस बार विशेष चर्चा का विषय रहा। गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ते हुए 10,000 मीटर दौड़ में रजत और 5,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वे एक ही राष्ट्रमंडल खेल में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले भारत को इन लंबी दूरी की स्पर्धाओं में कभी पदक नहीं मिला था। यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के बदलते स्वरूप और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रणाली की सफलता का संकेत देती है। पैरा खेलों में भी भारत ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल सात पदक जीतकर नया इतिहास बनाया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों के पैरा वर्ग में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बराबर है।

यदि भारतीय दल के प्रदर्शन का गहन विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि इस बार महिलाओं ने शानदार योगदान दिया। महिला खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर भारतीय खेलों में बढ़ती महिला भागीदारी और उत्कृष्टता का परिचय दिया। दूसरी ओर पुरुष खिलाड़ियों ने कुल 23 पदक जीतकर संतुलित प्रदर्शन किया। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि 2026 का प्रदर्शन भारत के लिए संतोषजनक अवश्य है लेकिन ऐतिहासिक नहीं। वर्ष 2010 के नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल आज भी भारत के स्वर्णिम अध्याय बने हुए हैं, जब भारत ने 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया था। घरेलू मैदान का लाभ अपनी जगह है लेकिन वह प्रदर्शन यह भी दर्शाता है कि यदि मजबूत खेल अवसंरचना, व्यापक खिलाड़ी आधार और सुव्यवस्थित तैयारी हो तो भारत शीर्ष देशों को कड़ी चुनौती देने की क्षमता रखता है।

भारत की खेल यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष अब यह है कि देश अब कुछ चुनिंदा खेलों तक सीमित नहीं रह गया है। पहले भारत की अधिकांश सफलता निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन और भारोत्तोलन तक सीमित रहती थी जबकि अब मुक्केबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा खेलों में भी लगातार नए खिलाड़ी उभर रहे हैं। यह परिवर्तन भारत की खेल नीति, खेलो इंडिया जैसी योजनाओं, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल विज्ञान, पोषण और खिलाड़ियों को मिलने वाले आर्थिक सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। हालांकि अभी भी प्रतिभा पहचान, जमीनी स्तर पर कोचिंग, खेल चिकित्सा, मानसिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी अनुभव को और मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है। अब भारतीय खेल जगत की निगाहें वर्ष 2030 पर टिक गई हैं, जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद करेगा। यह केवल एक खेल आयोजन नहीं बल्कि भारत के लिए विश्व के सामने अपनी खेल क्षमता, आधुनिक अवसंरचना और संगठनात्मक दक्षता प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर होगा।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों ने भारत को यह विश्वास अवश्य दिलाया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, भारतीय खिलाड़ी हर मंच पर देश का गौरव बढ़ाने का सामर्थ्य रखते हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन उपलब्धियों को अंतिम लक्ष्य न मानकर उन्हें ओलंपिक और वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाए। जिन खेलों में भारत विश्वस्तरीय शक्ति बन चुका है, उन्हें और सशक्त किया जाए तथा एथलेटिक्स, तैराकी, जिम्नास्टिक और अन्य ओलंपिक खेलों में भी दीर्घकालिक निवेश बढ़ाया जाए। यदि भारत अपनी खेल नीतियों में निरंतरता बनाए रखता है, खिलाड़ियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, विश्वस्तरीय सुविधाएं और दीर्घकालिक समर्थन उपलब्ध कराता है तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्रमंडल ही नहीं, ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी भारत पदक तालिका के शीर्ष देशों में नियमित रूप से दिखाई देगा।

शिक्षा सुधार के दावे बहुत, बुनियादी बदलाव अब भी अधूरा

भारत शिक्षा के मामले में सदियों से अग्रणी रहा। हमारी पुरानी शिक्षा व्यवस्था दुनिया को राह दिखाती थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आते थे। यहां गुरुकुल से कई ऐसे विद्यार्थी निकले, जिन्होंने दुनिया को राह दिखाई। मगर समय बदलने के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव हुए। भारत, जो कभी ज्ञान और नवजागरण के क्षेत्र में अग्रणी था, वह पिछड़ता चला गया। हम पश्चिमी शिक्षा की नकल करने लगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने शोध और अन्वेषण को कम कर दिया। कला संकाय का महत्त्व कम होता चला गया। शिक्षा पर बाजार हावी होने लगा। नए रास्ते पर चलने की हमारी ललक खत्म हो गई। दुनिया डिजिटल होती गई और इंटरनेट उसकी आधारभूमि बन गया। आज भारत कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होना चाहता है। यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे।

सुरेश सेठ

पिछले डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक को अपनाने और इस दिशा में आगे बढ़ने के कई दावे किए गए हैं। भारत कृत्रिम मेधा का अगुआ बनने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन एक कमी रह गई। यह कमी है संकल्प की। हम बेहतरीन शिक्षक तैयार नहीं कर पा रहे हैं। विद्वता बढ़ाने पर भी कोई जोर नहीं दिखता। इच्छा और आकांक्षा जरूर थी, लेकिन अध्यापकों की प्रतिबद्धता में बदलाव नहीं आया। विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल करने को ही लक्ष्य मान बैठे। नतीजा यह कि मेहनत और अन्वेषण कर आगे जाने का उत्साह कम पड़ता चला गया। यही कारण है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे पिछड़ती चली गई। बच्चों को पढ़ाने में शिक्षक भी इसलिए पिछड़े, क्योंकि उन्होंने खुद को अद्यतन नहीं किया। नतीजा यह कि हमारे विद्यार्थी समय के साथ आगे नहीं बढ़े। डिजिटल में सहज होने के क्रम में हम कागज-कलम से दूर हो गए। इसी के साथ हम अपनी पुस्तक संस्कृति भी भूल गए। मोबाइल फोन पर ही कक्षाएं लगने लगीं। बच्चे भी वहीं पढ़ने लगे। किताबें कोने में धरी रह गईं। डिग्रियां पाने और सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने की होड़ शुरू हो गई। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा का असली उद्देश्य पीछे रह गया।

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी कोई नई बात नहीं है। यह काफी समय से हो रही है। मगर जब बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बाहर आने लगे, तब इस समस्या को गंभीरता से लिया गया और यह मुद्दा बनने लगा। प्रश्नपत्र लीक को कुछ गिरोहों ने अपना धंधा बना लिया और वे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खेलने लगे। वर्ष 2024 और 2026 में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक हुए। निराशा में डूबे कुछ विद्यार्थियों ने खुदकुशी की। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों आंदोलन किया। युवा पीढ़ी का असंतोष आक्रोश में बदल गया। नतीजा, शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। हालांकि, इससे शिक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं।

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार इस विधेयक को काफी महत्त्व दे रही है, मगर इसमें गंभीर चिंतन नहीं दिखता है। इस पर संसद में व्यापक बहस भी नहीं हो पाई। कड़े दंड के प्रावधानों वाला यह विधेयक बहुमत के बल पर पारित तो हो गया, लेकिन परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा में सुधार के लिए यह काफी नहीं है।

पिछला अनुभव बताता है कि दोषियों को सजा देने के कानून तो पहले भी थे। चाहे उनमें सजा इतनी सख्त नहीं थी, लेकिन फिर भी पिछले पच्चीस वर्षों में देश भर के अलग-अलग हिस्सों से जो प्रश्नपत्र लीक हुए और माफिया ने जो कारगुजारी की, उस हिसाब से बड़े पैमाने पर धर-पकड़ नहीं हुई।

फिलहाल सरकार ने एक बड़ी पहल की है। उसने त्वरित अदालतें बनाई हैं। तीन महीने में फैसला देकर अपराधियों को कड़ी सजा देने की घोषणा भी की गई है, लेकिन पिछले दिनों एक मामले में वकील के हाजिर न होने से अगली तारीख दे दी गई। दंड प्रक्रिया को चुस्त कर प्रवेश परीक्षाओं को शुचितापूर्ण तो बनाया जा सकता है, लेकिन सवाल है कि यह पूरी तरह दोषरहित कैसे होगी? हालांकि, सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है। उसने छह सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्यबल बना दिया है, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के काम की समीक्षा करेगा और प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए अपनी सिफारिशें देगा। इससे परीक्षा प्रणाली में सुधार की उम्मीद है।

देश की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। नीति-निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया आज कितने आगे बढ़ चुकी है और हम अभी नारे ही गढ़ रहे हैं। हम नारे लगाते हैं डिजिटल भारत के। हम बताते हैं कि भारत में मोबाइल क्रांति हो गई है और जल्द ही कृत्रिम मेधा को भी साध लिया जाएगा। इस दिशा में प्रगति निस्संदेह प्रशंसनीय है, मगर सवाल यह है कि क्या हम युवा पीढ़ी को नए रोजगार के काबिल बना रहे हैं? आज भी न तो अध्यापक और न ही छात्र नई राहों के अन्वेषी हैं। वे कोई नया शोध करना नहीं चाहते। वे बस डिग्रियां चाहते हैं। आज भी पाठ्यक्रमों में बड़ा बदलाव नहीं होता। बरसों तक उन्हें वहीं पढ़ाया जाता है।

भारत की साठ फीसद आबादी गांवों में बसती है। मगर वहां पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, मोबाइल नेटवर्क या तो है ही नहीं या फिर बहुत कमजोर है और यहां चर्चा होती है कि नीट सहित सारी प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर से ली जानी चाहिए। सुधार कैसे होगा, जबकि स्कूलों में पढ़ाई का तरीका वही पुराना है? सरकार कहती है कि ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन सच यह है कि दसवीं तक पहुंचने के बाद उनमें से कई बच्चे स्कूल से निकल जाते हैं। उच्च स्तर पर शिक्षा में बदलाव का आधार स्कूली शिक्षा होनी चाहिए। बदलाव करना है, तो प्राथमिक स्तर से हो। शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए, लेकिन यह सब रोजगार की गारंटी के बिना संभव नहीं होगा। जो विद्यार्थी पढ़ने के लिए आता है, वह आश्वस्त हो कि उसकी मेहनत और डिग्री के मुताबिक उसे रोजगार अवश्य मिलेगा। इससे छात्रों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अपने आप बदल जाएगा। अध्यापकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। नए माहौल के मुताबिक जब तक वे स्वयं को अद्यतन नहीं करेंगे, तब तक बात नहीं बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ने 25 की उम्र में लिया संन्यास

चोट के कारण 1 साल से ज्यादा समय से मैदान से था दूर

नई दिल्ली। हैम्पशायर के तेज गेंदबाज जॉन टर्नर ने 25 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा कर दी है। चोट के कारण वह एक साल से ज्यादा समय तक मैदान से दूर थे। उन्होंने 2024 में इंग्लैंड के लिए चार मैच खेले थे। जोहान्सबर्ग में जन्मे इस तेज गेंदबाज का हैम्पशायर के साथ कॉन्ट्रैक्ट

अभी भी दो साल बाकी था और पिछले साल के आखिर तक उनके पास इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) का डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट था। उन्होंने 2024 के आखिर में इंग्लैंड के वेस्टइंडीज दौरे पर दो वनडे और दो टी20 मैच खेले। इसमें उन्होंने तीन विकेट लिए। टर्नर का घरेलू सर्किट में शानदार रिकॉर्ड है। टर्नर ने अपने बयान में कहा, 'प्रोफेशनल और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना हमेशा से मेरा सपना था और हैम्पशायर और इंग्लैंड के लिए ऐसा करना मेरे बचपन के सपनों को जीने जैसा है। मैंने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह मेरे लिए सबसे मुश्किल फैसलों में से एक रहा है। स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से मैं एक साल से ज्यादा समय से बाहर रहा।

चोट के कारण संन्यास

टर्नर ने कहा, 'लगातार चोट ने मुझे एक क्रिकेटर के तौर पर और खेल से दूर अपने भविष्य के बारे में सोचने पर मजबूर किया। इसके बाद मैंने तय किया कि अब अपनी अगली चुनौती का सामना करने का सही समय है। हैम्पशायर के लिए खुद को एक प्रोफेशनल क्रिकेटर कहने वाले पांच साल मेरे लिए सबसे अच्छे पांच साल रहे हैं।'

साउथ अफ्रीका से इंग्लैंड कैसे पहुंचे टर्नर- टर्नर ने साउथ अफ्रीका के सबसे जाने-माने स्कूलों में से एक हिल्टन कॉलेज में पढ़ाई की। मां के अंग्रेज होने के कारण उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिला। वह यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन चले गए। एक ट्रायल में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह 2021 में हैम्पशायर में शामिल हुए।

सागर धनखड़ हत्याकांड

सुशील कुमार को हाई कोर्ट से नहीं मिली नियमित जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को मई 2021 के सागर धनखड़ मर्डर केस में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की नियमित जमानत अर्जी खारिज कर दी। जस्टिस पुरषेंद्र कुमार कौरव ने जमानत अर्जी खारिज की। विस्तृत आदेश का इंतजार है। सुशील कुमार ने अधिवक्ता साहिल मलिक के जरिये दिल्ली हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। सुशील कुमार ने बदली हुई

परिस्थितियों का हवाला देते हुए नियमित जमानत मांगी थी। दावा किया गया था कि रोहिणी कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के सभी अहम गवाहों से पूछताछ की है।

इससे पहले छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के सामने मृतक के पिता की वकील जोशिनि तुली ने जमानत अर्जी का विरोध किया था। सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट ने मार्च 2025 में नियमित जमानत दी थी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को यह कहते हुए जमानत रद्द कर दी कि अभी अहम गवाहों से पूछताछ बाकी है।

यशस्वी के निशाने पर होगा मो. रिजवान का रिकॉर्ड

35 रन बनाते ही WTC में पाकिस्तानी बल्लेबाज छोड़ देंगे पीछे

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जब श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मैदान पर उतरेंगे तब उनके निशाने पर पाकिस्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड होगा। यशस्वी जायसवाल का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक भारत के लिए शानदार प्रदर्शन रहा है और वो भारत की तरफ से इस टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे स्थान पर हैं।

यशस्वी के निशाने पर रिजवान का रिकॉर्ड

यशस्वी जायसवाल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक भारत के लिए कुल 28 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2511 रन बनाए हैं। वहीं पाकिस्तानी बैटर मोहम्मद रिजवान की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 42 टेस्ट मैचों में 2542 रन बनाए हैं। अब श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में यशस्वी जैसे ही 32 रन

बनाएंगे वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में रन बनाने के मामले में रिजवान से आगे निकल जाएंगे। यशस्वी इस रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ सकते हैं और रिजवान से आगे निकल सकते हैं। यशस्वी की बात करें तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में उन्होंने भारत के लिए अब तक खेले 28 मैचों में 49.23 की औसत से 2511 रन बनाए है। यशस्वी ने इन मैचों में 7 शतक और 13 अर्धशतकीय पारी खेली थी। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में नाबाद 214 रन रहा है जबकि उनके बल्ले से इन मैचों में 312 चौके और 45 छक्के निकले हैं। यशस्वी ने अब तक इन मैचों में कुल 3803 गेंदों का सामना किया है साथ ही 2 बार नाबाद रहे हैं और 6 बार डक पर आउट हुए हैं।

टॉप-10 बल्लेबाज

शुभमन गिल	2843 रन
ऋषभ पंत	2780 रन
रोहित शर्मा	2716 रन
विराट कोहली	2617 रन
रविंद्र जडेजा	2610 रन
यशस्वी जायसवाल	2511 रन
केएल राहुल	2148 रन
चेतेश्वर पुजारा	1769 रन
मयंक अग्रवाल	1293 रन
आर अश्विन	1142 रन

कुलदीप यादव ने तोड़ी पार्टनरशिप, बंडारा को आउट कर श्रीलंका को दिया छठा झटका

नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया आज अभ्यास मैच में उतरी है। भारतीय टीम तीन दिवसीय मैच में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ अपनी तैयारियों को परखेगी, लेकिन परेशान करने वाली बाते है कि इसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं हैं। गिल चोट के कारण ये मैच नहीं खेल रहे हैं।

श्रीलंका का स्कोर 300 के पार

श्रीलंकाई टीम ने पहले ही दिन कमाल की बल्लेबाजी की है और अपना स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया है। भारतीय टीम ने विकेट लेकर वापसी करने की कोशिश की है, लेकिन श्रीलंका अभी भी एक कदम आगे है।

भारत को मिली छठी सफलता

कुलदीप यादव ने 72वें ओवर की पहली ही गेंद पर अंजाला बंडारा को आउट कर भारत को छठी सफलता दिला दी है। कुलदीप की गेंद पर वह पढ़ नहीं पाए और गेंद सीधे पैड पर लगी। टीम इंडिया ने अपील की और अंपयार ने उन्हें आउट दे दिया।

दूसरा सेशन भारत के नाम

पहले सेशन में विकेटों को तरसने वाली टीम इंडिया ने दूसरे सेशन में काफी हद तक वापसी की है और तीन विकेट अपने नाम किए हैं। दूसरे सेशन के बाद श्रीलंका का स्कोर चार विकेट खोकर 246 रन है।

महिला एशिया कप 2026 का शेड्यूल हुआ जारी

भारत-पाक मुकाबला 5 सितंबर को

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल गुरुवार, 6 अगस्त को घोषित कर दिया गया। इस टूर्नामेंट में एशियाई टीमें हिस्सा लेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर रहने वाली है। महिला एशिया कप का छठा संस्करण टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा जिसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी और उन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है।

महिला एशिया कप 2024 के फाइनल में भारत को हराकर श्रीलंका मौजूदा चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने कन्फर्म किया है कि विमेंस एशिया कप 2026 दुबई में 28 अगस्त से शुरू होगा और इसका फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल

- 28 अगस्त- थाईलैंड बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 29 अगस्त- श्रीलंका बनाम यूएई, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 30 अगस्त- भारत बनाम थाईलैंड, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 31 अगस्त- बांग्लादेश बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 1 सितंबर- पाकिस्तान बनाम थाईलैंड, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 2 सितंबर- श्रीलंका बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 3 सितंबर- भारत बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 4 सितंबर- यूएई बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 5 सितंबर- भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 6 सितंबर- श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 7 सितंबर- पाकिस्तान बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 8 सितंबर- बांग्लादेश बनाम यूएई, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 10 सितंबर- सेमी-फाइनल 1, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 11 सितंबर- सेमी-फाइनल 2, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 13 सितंबर- फाइनल, दुबई- शाम 6 :30 बजे

लियोनेल मेसी का चला जादू

- टीम के लिए किए 2 गोल, इंटर मियामी ने एटलेटिको सैन लुइस को 4-2 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल 19 जुलाई को खेला गया था और इस मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद अब मेसी फिर से एक्शन में नजर आए और उन्होंने लीग्स कप में अपनी टीम इंटर मियामी का प्रतिनिधित्व किया। इंटर मियानी ने लीग्स कप में एटलेटिको सैन लुइस को 4-2 से हराने में सफलता हासिल की और इसमें मेसी ने अपनी टीम के लिए 2 गोल दागे और शानदार लय में नजर आए।

मेसी ने टीम के लिए किए दो गोल- 39 साल के मेसी ने इसी टूर्नामेंट में शनिवार को कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर 37 मिनट खेले थे। मेसी ने

एटलेटिको सैन लुइस के खिलाफ 11वें और 44वें मिनट में गोल किए और अब लीग कप के 12 मैचों में उनके 14 गोल हो गए हैं जो इस टूर्नामेंट के चार साल के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में लॉस एंजिल्स एफसी के डेनिस बुआंगा से एक ज्यादा है। इस मुकाबले में इंटर मियानी के लिए मेसी के अलावा टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकेल ने भी गोल किए और नोआ एलन ने तीन असिस्ट किए जिससे इंटर मियामी का बिना हारे लगातार आठ मैच खेलने का सिलसिला जारी रहा।

एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजी में विवाद

राष्ट्रीय शॉटगन कोच पर हितों के टकराव के आरोप

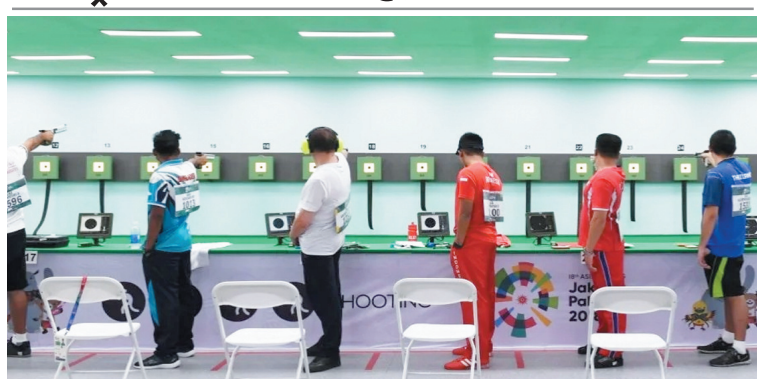

नई दिल्ली। आगामी एशियाई खेलों की तैयारियों से जुड़े भारत के एक शीर्ष राष्ट्रीय शॉटगन कोच पर चेन्नई में निशानेबाजी परिसर के निर्माण का ठेका हासिल करने के प्रयास को लेकर हितों के टकराव के आरोप लगे हैं। मामले की शिकायत मिलने के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इसकी जांच के निर्देश दिए हैं।

मीडिया सूत्रों के अनुसार संबंधित कोच भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अंतर्गत भारत के शीर्ष शॉटगन निशानेबाजों को ओलंपिक, आईएसएसएफ विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण देते हैं। साई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, खेल प्राधिकरण के मुख्यालय को इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। स्टेडियम विभाग और दिल्ली क्षेत्रीय निदेशक को इसकी जांच करने के लिए कहा गया है। मुझे अब तक इस मामले से जुड़ी जांच रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''शिकायतकर्ता का नाम मुझे याद नहीं है, लेकिन शिकायत नाम सहित दर्ज कराई गई है। यह गुमनाम शिकायत नहीं है, इसलिए सरकारी प्रक्रिया के अनुसार इसकी विधिवत जांच की जाएगी।'' एक पूर्व निशानेबाज ने पीटीआई से बातचीत में दावा किया कि यह शिकायत चेन्नई में निशानेबाजी परिसर निर्माण के ठेके से जुड़ी है।

निशानेबाज के अनुसार निविदा प्रक्रिया में असफल रहने वाले एक बोलीदाता ने पूरे मामले को सतर्कता विभाग (विजिलेंस) के समक्ष उठाया है। सूत्र ने बताया, ''चेन्नई में लगभग 15-16 करोड़ रुपये की लागत से पांच 'शॉटगन रेंज' बनाई जानी थीं। संबंधित शॉटगन कोच ने भी इस ठेके के लिए आवेदन किया था। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी बोलीदाता ने विजिलेंस विभाग में शिकायत दर्ज कराई।''

उन्होंने यह भी दावा किया कि लंबित जांच के कारण संबंधित कोच को 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय कोचिंग दल से बाहर रखा जा सकता है।

सूत्र के मुताबिक, ''राष्ट्रीय राइफल संघ भी जांच पूरी होने तक उन्हें एशियाई खेलों के लिए कोचों की सूची से बाहर कर सकता है।''

इस संबंध में पूछे जाने पर एनआरएआई के महासचिव पवन कुमार सिंह ने मोबाइल पर भेजे संदेश के जरिये बताया कि वह विमान में होने के कारण टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने फोन कॉल, संदेश और व्हाट्सऐप पर भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

एनआरएआई की ओर से जनसंपर्क एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''महासंघ को किसी भी कोच की निजी व्यावसायिक या कारोबारी गतिविधियों की जानकारी नहीं है।'

न्यू दिल्ली टाइगर्स-पुरानी दिल्ली 6 मैच के बाद अंक तालिका, टॉप-5 बल्लेबाज यश दुल शीर्ष पर

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 (DPL 2026) के 13वें मैच में पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 27 रनों से हरा दिया। आर्यन गौर की 91 रनों की पारी के बदौलत पुरानी दिल्ली ने 8 विकेट पर 177 रन बनाए। इसके जवाब में न्यू दिल्ली टाइगर्स 8 विकेट पर 150 रन ही बना पाई। पुरानी दिल्ली 6 ने दूसरी जीत दर्ज की और वह अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। न्यू दिल्ली टाइगर्स तीसरा मैच हार गई। वह अंक तालिका में छठे नंबर पर है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स 4 में से 4 मैच जीतकर शीर्ष पर है। आउट दिल्ली वॉरियर्स 3 में से 2 मैच जीतकर दूसरे नंबर पर है। वेस्ट दिल्ली लायंस 3 मैच में 2 जीत के साथ चौथ नंबर पर

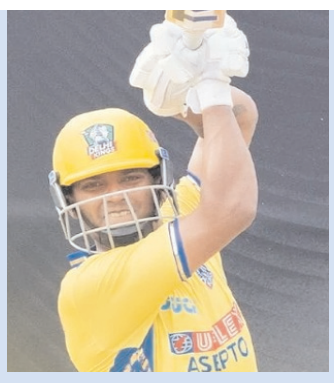

है। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स पांचवें नंबर पर है। साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स 7 वें नंबर पर है। ईस्ट दिल्ली राइडर्स का खाता नहीं खुला है।

टॉप-5 बल्लेबाज

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो यश ढुल शीर्ष पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 217 रन बनाए हैं। अनुज रावत ने 4 पारियों में 167 रन बनाए हैं। लक्ष्य थरेजा ने 4 पारियों में 163 रन बनाए हैं। सार्थक रंजन ने 2 पारियों में 159 रन बनाए हैं। यजस शर्मा ने 3 पारियों में 155 रन बनाए हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग में पहुंचे हरभजन सिंह

डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने सम्मानित किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह गुरुवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में शामिल हुए, जहां दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान रोहन जेटली ने हरभजन सिंह का स्वागत करते हुए भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को सराहा। इस मौके पर स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों ने तालियां बजाकर पूर्व क्रिकेटर का स्वागत किया। 'टर्बनेटर' नाम से मशहूर हरभजन सिंह ने साल 1998 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 32.46 की औसत के साथ 417 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 236 वनडे मुकाबलों में 269 विकेट अपने नाम किए। वहीं, 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इस दाएं हाथ के स्पिनर ने 25 विकेट चटकाए। भारत के सबसे मशहूर ऑफ-स्पिनर्स में से एक, हरभजन सिंह की मौजूदगी ने दिल्ली प्रीमियर लीग के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670